CNEWS सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-131
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

यूँ ही नहीं मिलती सफलता बहुत कुछ खोना पड़ता है, मेहनत और लगन के धागों को हौंसलों से पिरोना पड़ता है।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सिटी चीफ

इंदौर, बुधवार 14 अगस्त 2024

स्वतंत्रता दिवस

माँ तुझे प्रणाम

स्वतंत्रता दिवस के शुभअवसर पर सिटी चीफ कार्यालय में अवकाश होने के कारण अगला अंक 16 अगस्त(शुक्रवार) को प्रकाशित होगा- प्रधान संपादक

सभी पाठकों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं-संपादक

सिंगल कॉलम

भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक 17 को, नए अध्यक्ष पर होगा मंथन

नई दिल्ली। भाजपा का नया अध्यक्ष कौन होगा? इसे लेकर अभी आलाकमान ने किसी एक नाम पर सहमति नहीं बनाई है। इस बीच देश की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा ने 17 अगस्त को अपने राष्ट्रीय पदाधिकारियों की एक बैठक बुलाई है, जिसमें पार्टी के सदस्यता अभियान को अंतिम रूप दिया जाएगा। नए पार्टी अध्यक्ष के चुनाव से पहले यह अभियान पूरा करने का लक्ष्य है। इस बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों के अलावा विभिन्न राज्यों में पार्टी संगठन के प्रभारी महासचिव और प्रदेशों के अध्यक्ष भी शामिल होंगे। लंबे समय से चर्चा है कि अध्यक्ष के औपचारिक चुनाव पहले भाजपा एक कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त कर सकती है क्योंकि चुनाव के लिए सदस्यता अभियान छह महीने तक खिंच सकता है। मौजूदा अध्यक्ष जेपी नड्डा के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार में कैबिनेट मंत्री के तौर पर शामिल होने के बाद पार्टी की एक व्यक्ति एक पद की परंपरा के तहत उनकी जगह किसी और को लाए जाने की संभावना है। साल 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद नड्डा को केंद्रीय मंत्रिपरिषद में शामिल नहीं किया गया था। इससे स्पष्ट संकेत मिल गया था कि उन्हें तत्कालीन अध्यक्ष अमित शाह के स्थान पर नई जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। हालांकि, इस बार नए अध्यक्ष को लेकर अभी कुछ स्पष्टता नहीं है। नड्डा को पहली बार जून 2019 में कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया था, जिसके बाद उन्हें औपचारिक रूप से जनवरी 2020 में अध्यक्ष चुना गया था। भाजपा के अध्यक्ष पारंपरिक रूप से आम सहमति से चुने जाते रहे हैं।

हिंडनबर्ग रिपोर्ट को लेकर 22 अगस्त को कांग्रेस करेगी देशव्यापी प्रदर्शन

नई दिल्ली। हिंडनबर्ग की नई रिपोर्ट आने के बाद में विपक्षी पार्टियां सेबी चीफ माधवी पुरी बुच के इस्तीफे और अडानी ग्रुप से जुड़े मामले में जेपीसी की मांग कर रहे हैं। अब इसी मामले को लेकर देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस आने वाली 22 तारीख को देशव्यापी प्रदर्शन करेगी। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने मंगलवार इस बात की घोषणा की है। एआईसीसी महासचिव और सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि 22 अगस्त को हर एक राज्य की राजधानी में ईडी का ऑफिस है और कांग्रेस कार्यकर्ता हर एक ऑफिस का घेराव करेंगे। वेणुगोपाल ने कहा कि मंगलवार को हमने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में एआईसीसी महासचिवों, प्रभारियों और पीसीसी अध्यक्षों की बैठक बुलाई। हमने देश में इस समय हो रहे सबसे बड़े घोटालों में से एक हिंडनबर्ग खुलासे, अडानी और सेबी से जुड़े घोटाले के बारे में काफी गहनता के साथ में चर्चा की है। वेणुगोपाल ने कहा कि हमने सभी की मर्जी के बाद में इस मुद्दे पर देशव्यापी प्रदर्शन करने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि हमारी दो मांगे हैं। उन्होंने कहा कि पहली मांग यह है कि सेबी की चीफ माधबी पुरी अपने पद से इस्तीफा दें और दूसरी मांग के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि अडानी महाघोटाले की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति का गठन किया जाए।

स्वतंत्रता दिवस की परेड में शामिल होंगे 17 बल, फाइनल रिहर्सल पूरी

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह सीएम मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में 15 अगस्त को लाल परेड ग्राउंड में आयोजित होगा। मंगलवार को पुलिस महानिदेशक सुधीर सक्सेना की मौजूदगी में स्वतंत्रता दिवस समारोह की फुल ड्रेस परेड एवं फाइनल रिहर्सल लाल परेड ग्राउंड में संपन्न हुई। इस दौरान डीजीपी सुधीर सक्सेना, एडीजीपी साजिद फरीद शापू, पुलिस आयुक्त भोपाल हरिनारायणचारी मिश्रा, डिप्टी कमिश्नर भोपाल किरण गुप्ता एवं नगर निगम आयुक्त हरेंद्र नारायण सहित अन्य अधिकारियों ने स्वतंत्रता दिवस समारोह की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। **निरीक्षण कर संदेश का वाचन:** फुल ड्रेस परेड के फाइनल अभ्यास के दौरान 7वीं बटालियन के सहायक उप निरीक्षक हीरा लाल यादव ने प्रतीक स्वरूप मुख्य अतिथि की भूमिका निभाई और ध्वजारोहण, राष्ट्रीय धुन एवं परेड द्वारा सलामी के बाद परेड का निरीक्षण कर संदेश का वाचन किया गया। प्रतीक स्वरूप संदेश वाचन के बाद राष्ट्रपति पदक प्राप्त 69 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी मुख्य अतिथि से पदक अलंकरण प्राप्त करने का अभ्यास किया। अंत में परेड कमांडर और परेड में शामिल सभी दलों के प्लाटून कमाण्डरों ने मुख्य अतिथि को अपना परिचय देने का अभ्यास भी किया। **टुकडियां शामिल रहीः** फाइनल अभ्यास परेड का नेतृत्व भारतीय पुलिस सेवा के सहायक पुलिस आयुक्त भोपाल मयूर खंडेलवाल ने किया। सहायक परेड कमांडर की भूमिका सहायक सेनानी हॉक फोर्स बालाघाट सोनू कुर्मी ने निभाई। संयुक्त अभ्यास परेड में पुलिस बैंड सहित कुल 17,117 टुकड़ियों ने भाग लिया। इनमें उत्तर प्रदेश पुलिस ब बल, विशेष सशस्त्र बल। (उत्तरी जोन), महिलाओं का विशेष सशस्त्र बल, जिला बल एवं रेल की संयुक्त टुकड़ी, विशेष सशस्त्र बल (दक्षिणी जोन), हॉक फोर्स, एसटीएफ, जिला पुलिस बल, जेल विभाग (महिला), शासकीय रेल पुलिस, नगर सेना (होमगार्ड), एन.सी.सी. सीनियर डिविजन, एयर विंग, नेवल विंग सहित अन्य टुकडियां शामिल रही।

लाल किले से 11वीं बार देश को संबोधित करेंगे प्रधानमंत्री

स्वतंत्रता दिवस पर 1037 लोगों को मिलेगा वीरता और सेवा पदक

नई दिल्ली। इस साल देश गुरुवार को 78 वें स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहा है। स्वतंत्रता दिवस के एक दिन पहले बुधवार को सरकार ने राष्ट्रपति पदक देने का एलान किया है। इस साल पुलिस, अग्निशमन, होमगार्ड और नागरिक सुरक्षा और सुधार सेवाओं के कुल 1037 कर्मियों को वीरता और सेवा पदक दिए जाएंगे। सरकार हर साल वीरता के लिए राष्ट्रपति पदक और वीरता के लिए पदक क्रमशः जीवन और संपत्ति को बचाने, या अपराध को रोकने अथवा अपराधियों को गिरफ्तार करने में अदम्य साहसपूर्ण वीरता कार्य और वीरता के विशिष्ट कार्य के आधार पर प्रदान करती है जिन लोगों को पदक मिलेगी उनके नाम गृह मंत्रालय ने जारी कर दिए हैं। उत्तर प्रदेश से एडीजी सुवेंद्र कुमार भगल, डीआईजी कल्पना सक्सेना, इंस्पेक्टर सुगंधा उपाध्याय और एसआई रामवीर सिंह को राष्ट्रपति पदक दिए जाएंगे। बता दें कि स्वतंत्रता दिवस के मौके पर राजधानी दिल्ली में होने वाले कार्यक्रम की सभी तैयारियां कर ली गई हैं। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐतिहासिक लाल किले से 11वीं बार लगातार तिरंगा फहरा कर देश को संबोधित करेंगे।

यूएपीए जैसे कानून के तहत अपराध में भी जमानत का नियम

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सख्त आतंकवाद निरोधक कानून के तहत आरोपी व्यक्ति को जमानत देते हुए कहा कि विशेष कानूनों जैसे गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत हुए अपराधों पर भी जमानत का सिद्धांत लागू होता है। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि अगर अदालतें उचित मामलों में भी जमानत देने से इनकार करना शुरू कर देंगी, तो यह मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होगा। पीठ ने अपना फैसला सुनाते हुए कहा, अभियोजन पक्ष के आरोप बहुत गंभीर हो सकते हैं, लेकिन कानून के अनुसार जमानत के मामले पर विचार करना अदालत का कर्तव्य है। जमानत नियम है और जेल अपवाद है, यह विशेष कानूनों पर भी लागू होता है। अगर अदालतें उचित मामलों में जमानत देने से इनकार करना शुरू कर देती हैं, तो यह संविधान के अनुछेद 21 के तहत मिले मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होगा। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला जलालुद्दीन खान नामक व्यक्ति को जमानत पर रिहा करते हुए सुनाया। जलालुद्दीन खान पर यूएपीए और अब समाप्त हो चुकी भारतीय दंड संहिता के तहत कई अन्य धाराओं में मामला दर्ज है। जलालुद्दीन पर आरोप है कि उसने प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के कथित सदस्यों को अपने घर की ऊपरी मंजिल किराए पर दी थी।

रेलवे को झटका, 100 वंदे भारत ट्रेनों का टेंडर हो गया कैंसिल

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने 100 वंदे भारत ट्रेनों से जुड़ा टेंडर कैंसिल कर दिया है। फ्रांस की कंपनी आल्सटम इंडिया के साथ इसे लेकर 30 हजार करोड़ रुपये में करार होने वाला था, जिसमें 100 एल्यूमीनियम बॉडी वंदे भारत ट्रेनों का निर्माण और रखरखाव शामिल था। हालांकि, इस डील पर अंतिम मुहर नहीं लग पाई है। आल्सटम इंडिया के एमडी ओलिवियर लोइसन ने खुद इसकी पुष्टि की है। मनी कंट्रोल की रिपोर्ट के अनुसार, लोइसन ने कहा कि इंडियन रेलवे ने ऑर्डर रद्द कर दिया है, मगर मौका मिलने पर कंपनी रेलवे के विजन को पूरा करने में मजबूत स्थिति में होगी। रिपोर्ट के अनुसार, टेंडर पैनल का मानना रहा कि कंपनी की प्रत्येक ट्रेन के लिए 150.9 करोड़ रुपये की कीमत बहुत अधिक है। इसे 140 करोड़ रुपये तक सीमित करने की मांग की गई थी। मगर, आल्सटम इंडिया प्रति ट्रेन सेट 145 करोड़ रुपये पर सौदा तय करना चाहता था। खास बात है कि यह 30 हजार करोड़ रुपये के टेंडर के लिए सबसे कम बोली लगाने वाली कंपनी थी, जिसका टारगेट सभी 100 वंदे भारत रेक का निर्माण करना था। स्विस निमार्ता स्टैडलर रेल और हैदराबाद स्थित मेधा सर्वो ड्राइव्स ने प्रति ट्रेन सेट 170 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी। रिपोर्ट में एक अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि टेंडर के अगले दौर में कई सारे प्लेयर्स को आमंत्रित किया जाएगा। इससे प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और लागत में कमी आने की उम्मीद की जा सकती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने विभाजन विभीषिका के दिन को याद किया, बोले-

जो बंटवारे की बलि चढ़े उन्हें नमन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के मौके पर देश के बंटवारे के दौरान जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि आज के दिन वह राष्ट्र में एकता और भाईचारे के बंधन की रक्षा करने की अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने साल 2021 में 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर, हम उन अनगिनत लोगों को याद करते हैं जो विभाजन की भयावहता के कारण प्रभावित और पीड़ित हुए। उन्होंने कहा कि यह उनके साहस को श्रद्धांजलि देने का भी दिन है, जो मानव प्रतिरोध की शक्ति को दर्शाता है पीएम मोदी ने कहा, विभाजन से प्रभावित बहुत से लोगों ने अपने जीवन को नये सिरे से शुरू किया और अपार सफलता प्राप्त की। आज, हम अपने राष्ट्र में एकता और भाईचारे के बंधन की हमेशा रक्षा करने की अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराते हैं।

पाकिस्तान 14 अगस्त को मनाता है स्वतंत्रता दिवस

विस्थापित हुए थे और बड़े पैमाने पर दंगे भड़कने के कारण कई लाख लोगों की जान चली गई थी। भारत बृहस्पतिवार को अपना 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाएगा। पाकिस्तान 14 अगस्त को अपना स्वतंत्रता दिवस मनाता है।

केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण बोलीं- मैं चाहती हूं जीरो पर आ जाए टैक्स, लेकिन चुनौतियां बहुत हैं

भोपाल। हर बार देश के बजट में टैक्स की दरों को लेकर ट्रोल होने वालीं केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण का दर्द मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में छलक आया। उन्होंने टैक्स को शून्य यानी जीरो पर लाने की इछा जताई, मगर ऐसा न कर पाने के पीछे देश की चुनौतियों का भी हवाला दिया। उन्होंने कहा कि लोग टैक्स पर सवाल करते हैं, यह बात मुझे बिलकुल पसंद नहीं है। लोग सवाल पूछते हैं कि इतने सारे टैक्स क्यों हैं, यह बात मुझे बिलकुल पसंद नहीं है। मैं चाहती हूं कि टैक्स को जीरो पर लेकर आऊं, लेकिन देश के सामने बहुत सारी चुनौतियां हैं। उसके लिए फंड की जरूरत है। हमारे देश और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत सारे कमिटमेंट हैं। हम इस बात का इंतजार नहीं कर सकते कि दूसरे हमें पैसे दें, इसलिए हम खुद पैसा खर्च कर रहे हैं। उसके लिए बहुत सारे पैसों की जरूरत रहती है।

भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर) भोपाल के दीक्षांत समारोह में शिरकत करने पहुंचीं निर्मला सीतारमण ने कहा कि कई बार ऐसा समय आता है जब देश की वित्तमंत्री होने के नाते मुझे लोगों को जवाब देना होता कि हमारे टैक्स ऐसे क्यों है? टैक्स इससे कम क्यों नहीं हो सकते? मैं चाहती हूं कि इसको लगभग शून्य पर ले आऊं, पर देश के सामने चुनौतियां बड़ी हैं और देश को उससे पार पाना है।वित्तमंत्री सीतारमण ने कहा कि मैं चाहती हूं कि मेरे सामने स्नातक, पीएचडी धारक बहुत विद्वान लोग हों जो भारत की चुनौतियों को समझें। मैं भारत जैसे विकासशील देश के लिए ऊर्जा के उन स्थायी स्रोतों में से एक के रूप में नवीकरणीय ऊर्जा का उदाहरण लेती हूं। उन्होंने कहा कि भारत अपनी ताकत से जीवाश्म ईंधन से नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बढ़ रहा है क्योंकि देश कहीं और से पैसे का इंतजार नहीं कर सकता। निर्मला सीतारमण ने नई तकनीक के साथ रिसर्च करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि डेटा साइंस के क्षेत्र में यादा रिसर्च करने की जरूरत है। 4जी नेटवर्क ने काफी परेशान किया है। आज 5जी की वजह से देशभर में अछी कनेक्टिविटी है। इंडिया आज एडवांस केमिस्ट्री के साथ काम रहा है। रीन्यूएबल एनर्जी के सेक्टर में यादा स्कोप है। सोलर से पैदा होने वाली बिजली को स्टोर किया जा सकता है। थर्मल पावर से एनर्जी बन रही है। काम के साथ में साइंस में नए प्रयोग करने की जरूरत है।

सीएम डॉ. मोहन यादव बोले- सीतारमण सशक्त वित्त मंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि निर्मला सीतारमण सशक्त वित्तमंत्री हैं। उनके नेतृत्व में हम आर्थिक क्षेत्र में लगातार तरक्की कर रहे हैं। हम सब जानते हैं, नॉलेज के आधार पर हमारी भूमिका महत्वपूर्ण होने वाली है। इलेक्ट्रिकल समय आया है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश एकमात्र राय है, जिसमें तीन ट्रिपल आईटी है। उच शिक्षा के क्षेत्र में प्राइवेट भागीदारी लगातार बढ़ रही है। प्रदेश में 6 ग्लोबल स्किल पार्क की स्थापना कर रहे हैं। पीएम एक्सीलेंस कॉलेज की स्थापना की है। बचों में विज्ञान के कारण के नवीन कार्यक्रम शुरू किया है।

वित्तमंत्री ने कहा, भारत में चीन से भी विद्यार्थी पढ़ने के लिए आते हैं, लेकिन समाज को आपके ज्ञान का फायदा तब मिलेगा जब आप उसे समाज में बांटेंगे। आईआईएसईआर ने 3 हजार पेपर पब्लिश किए हैं। देश में रैंकिंग भी अछी है।

CNEWS सिटी चीफ
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार
Fastest Growing Media Network
अवश्यकता है
इंदौर भोपाल जिले के सभी तहसीलो में दैनिक अख़बार और डिजिटल रिपोर्टर की।
डिजिटल और प्रिंट के लिये मार्केटिंग टीम (मेल/फीमेल) एवं हेल्परो की अवश्यकता हैं
डिजिटल मीडिया का क्रान्तिकारी कदम
डिजिटल भारत में खबरों के लिए देखे सिटी चीफ न्यूज़
रिपोर्टर बनने के लिए सम्पर्क करे
9755996590

सिंगल कॉलम

पुलिस ने लापता बच्ची को माता-पिता तक पहुंचाया, पलासिया इलाके में मिली थी

इंदौर। इंदौर के पलासिया इलाके में सोमवार रात पुलिस को सड़क पर 3 साल की बच्ची मिली। वह अपने माता-पिता से बिछड़ कर अकेली भटक रही थी। सूचना मिलते ही जवान उसे थाने लेकर पहुंचे। पलासिया पुलिस के जवानों ने आसपास की कॉलोनी और थानों में बच्ची का फोटो सोशल मीडिया पर वायरल किया।सोमवार देर रात परिवार के लोग थाने पहुंचे। उन्होंने पुलिस को बताया कि बच्ची खेलते-खेलते घर से निकल गई थी। पुलिस ने बच्ची को उसके माता-पिता को सौंप दिया। पलासिया पुलिस के मुताबिक बंगाली चौराहे पर सोमवार रात करीब 9:30 बजे से 10 बजे के बीच गश्त के दौरान पुलिसकर्मियों को कुछ युवकों ने बताया कि 3 साल की बच्ची अकेली घूम रही है। उसने अपना नाम शिवानी बताया। पुलिसकर्मी सचिन राठौर और अन्य जवानों ने रात में ही बच्ची का फोटो वायरल कर उसे ढूंढना शुरू किया। देर रात करीब 12 बजे बच्ची के परिजन पलासिया थाने पहुंचे। उन्होंने बताया कि बच्ची खेलते हुए घर से निकल गई थी। पिता राकेश कोली मजदूरी करते हैं। वे रात में ही पत्नी अनिता के साथ थाने पहुंचे और बच्ची को लेकर चले गए।

जब ठान लिया कि दृष्टिहीन बच्चों की दुनिया में लौटाना है रोशनी...

इंदौर। आंखों की अहमियत वही जानता है, जो देख नहीं सकता। इन आंखों से हम इस दुनिया के खूबसूरत नजारे देखते हैं। अपनों को निहारते हैं। बिना दृष्टि के पूरा जीवन उजाड़ लगने लगता है। आंखों की रोशनी से जीवन में उजियारा फैलता है। आंखों से मां हमारी परेशानी का अंदाजा लगा लेती है। अगर हमारे पास आंख ही न हो तो क्या होगा? शायद स्वस्थ व्यक्ति कल्पना भी नहीं कर सकता। शहर की डॉ. आराधना सहाय इसी कल्पना को साकार कर रही हैं। अभी तक वे इंदौर जिले के 18 बच्चों की आंखों की रोशनी लौटा चुकी हैं। वहीं 550 से ज्यादा बच्चों की आंखों की जांच करा चुकी हैं। पढ़?ये इंदौर की समाजसेविका डॉ. आराधना सहाय की अनुकरणीय कहानी। आराधना ने बताया कि रोशनी वापस लाने से पहले काफी मेहनत करनी पड़ती है। बच्चे से ज्यादा उसके परिवार को मनाना पड़ता है। डॉक्टर जब कहते हैं कि हम पूरी कोशिश करेंगे तो स्वजन ऑपरेशन के लिए मना कर देते हैं। इसके लिए हमें करीब छह महीनों तक स्वजन को समझाना पड़ता है। उनके अनुसार एक बार समझाने के बाद जब दोबारा समझाने जाते हैं तो कहानी फिर शुरू से शुरू करनी पड़ती है। ऐसे में कई बार उलझन होती है। परंतु बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की खातिर मैं हार नहीं मानती और लगातार कोशिश करती रहती हूं। जब बच्चे की रोशनी वापस आ जाती है तो स्वजन की खुशी बयां नहीं कर सकती। दृष्टि प्रोजेक्ट के तहत इंदौर जिले के दृष्टिहीन बच्चों की मदद की जाती है। इसके लिए महीने में दो बार जांच शिविर लगाते हैं। कुछ केस एकत्र होने पर आपरेशन कराए जाते हैं। हमारी कोशिश रहती है कि बच्चों को उनकी रोशनी जरूर वापस मिल जाए, क्योंकि बच्चे खुद के साथ अपने परिवार का भी सहारा होते हैं। अगली पीढ़ी उन्हीं पर टिकी होती है। आंगनबाड़ी में भी बच्चों का भविष्य निर्मित हो रहा है। आराधना ने बताया कि पिछले साल हमने 15 आंगनवाड़ियां गोद लीं। कई की हालत इतनी दयनीय थी कि वहां पढ़ना तो दूर बैठना भी मुश्किल था। सीलन और बदबू से बच्चे परेशान रहते थे। निपानिया, कनाड़िया समेत अन्य आंगनवाड़ियों को गोद लेकर हमने संवारा। अभी कुछ और आंगनवाड़ियों को गोद लेने की योजना है।

इंदौर में पुलिसकर्मियों पर एआई की नजर...

इंदौर। गश्त करने वाले पुलिसकर्मी अब झूठ नहीं बोल सकेंगे। डीसीपी एआइ से निगरानी कर रहे हैं। शुरुआत में ही उठक-बैठक के ठिए पकड़े गए हैं। उस क्षेत्र को भी ढूंढ लिया, जहां पुलिसवाले गए ही नहीं। लापरवाह तलब हो रहे हैं। सुधार नहीं करने पर सजा भी मिलेगी। टीआइ की जिम्मेदारी तय होगी। डीसीपी जोन-दो अभिनय विश्वकर्मा के मुताबिक निगरानी का उद्देश्य गश्त को प्रभावी बनाना है। प्रतिदिन थानों से हरेक बीट में गश्ती दल रवाना होता है। अभी तक पुलिसकर्मी एक-दो जगह भ्रमण कर होटल या कार में सो जाते थे। इससे क्षेत्र में चोरी, लूट और डकैती जैसी घटनाएं बढ़ रही थीं। डीसीपी ने खुद डिजिटल निगरानी का प्लेटफार्म तैयार किया है। गश्त करने वाले पुलिसकर्मी थाने के ग्रुप में लोकेशन के साथ फोटो साझा करेंगे। अगले दिन डीसीपी कार्यालय में अक्षांश देशांतर के माध्यम से हिटमैप तैयार किया जाएगा। इस पर पुलिसकर्मियों की लोकेशन का पता चल जाएगा। यह भी स्पष्ट हो जाएगा कि पुलिसकर्मी कब-कब कहां-कहां गए हैं। किस क्षेत्र में गए ही नहीं। फिलहाल जोन-दो के अंतर्गत विजयनगर, लसूड़िया, खजराना, कनाड़िया, तिलकनगर, परदेशीपुरा और एमआइजी थाने से शुरुआत हुई है। अभी ट्रायल चल रहा है। कनाड़िया और विजयनगर की शीट बनाई तो एआई ने बताया कि कनाड़िया थाने के कई पुलिसकर्मी स्कीम-140 क्षेत्र में जाकर रुक जाते हैं।

सीएम डॉ. यादव ने इंदौर में किया अंतरराष्ट्रीय कंपनी कॉग्निजेंट का उद्घाटन

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में अंतरराष्ट्रीय कंपनी कॉग्निजेंट ने अपना कार्यालय शुरू किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में कंपनी कार्यालय का शुभारंभ किया। लगभग 500 की संख्या में आईटी प्रोफेशनल्स को यहां रोजगार मिला है। उद्घाटन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 21वीं सदी बौद्धिक युग का दौर है। कॉग्निजेंट कंपनी के आगमन से मध्यप्रदेश के युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे, जिससे क्षेत्र का विकास होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आईटी कंपनियों को कई योजनाओं में 30 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक निवेश पर रिफंड की पालिसी है। इसे आगे हम और भी विस्तार देंगे।

सीएम ने कहा कि 18वीं और 19 वीं सदी में खाद्य और कपास से आर्थिक विकास हुआ। 20 वीं सदी पेट्रोकेमिकल से आर्थिक विकास पर आगे बढ़ी और आज का दौर बौद्धिक दौर का युग है। दुनिया भारत के ज्ञान को मानती है। आईटी कंपनी कॉग्निजेंट के इंदौर में आगमन से रोजगार के नए अवसर विकसित होंगे। उन्होंने कहा प्रदेश में आईटी कंपनियों को बेहतर वातावरण और सुविधाएं प्रदान करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार सदैव तत्पर है।

कंपनियों के लिए पसंदीदा स्थान इंदौर

सीएम ने कहा कि यह हमारे लिए बेहद खुशी की बात है कि कॉग्निजेंट ने अपने नए केंद्र के शुभारंभ के लिए इंदौर को चुना है। यह एक बड़ी उपलब्धि है, जिससे जाहिर होता है कि इंदौर अपने बढ़ते इन्फ्रास्ट्रक्चर और कुशल एवं प्रतिभाशाली लोगों की मौजूदगी की वजह से दुनिया भर की टेक्नोलॉजी कंपनियों के लिए बड़ी तेजी से पसंदीदा स्थान के रूप में उभर रहा है।

मप्र सरकार अपना सहयोग देने पर अटल

सीएम ने कहा कि हम लगातार अपना सहयोग देने, व्यवसायों के लिए नए-नए अवसर पैदा करने और एक ऐसा माहौल बनाने के इरादे पर अटल हैं, जहां इनोवेशन एवं टेक्नोलॉजी का लगातार विकास हो, जो हमारे राज्य को देश के अगले डिजिटल केंद्र के रूप में आगे बढ़ाते हुए हमारे युवाओं के लिए अवसर पैदा करे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने विक्रम बेताल की कहानी से बौद्धिक ताकत का महत्व भी बताया। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आईटी कंपनी कॉग्निजेंट के नवीन कार्यालय का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, विधायक रमेश मेंदोला, गोलू शुक्ला, गौरव रणदीवे, चिंटू वर्मा, प्रमुख सचिव संजय दुबे, संभागायुक्त दीपक सिंह, पुलिस कमिश्नर राकेश गुप्ता, कलेक्टर आशीष सिंह और कॉग्निजेंट कंपनी के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

इंदौर में कंपनी ने कई इनोवेशन किए

इस अवसर पर कॉग्निजेंट अमेरिका के ईवीपी एवं अध्यक्ष सूर्या गुम्मादी ने कंपनी के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि इंदौर शहर के मध्य में ब्रिलियंट टाइटेनियम में स्थित कंपनी का यह नया केंद्र 46,000 वर्ग-फीट में फैला हुआ है। 500 लोगों की बैठने की क्षमता वाले इस केंद्र में कामकाज के लिए हाइब्रिड मॉडल अपनाया गया है और इसी वजह से यहां 1250 एसोसिएट्स काम कर सकते हैं। यहां कई इनोवेशन किए गए हैं। सूर्या गुम्मादी ने कहा कि कॉग्निजेंट में 3 लाख 36 हजार 300 कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनमें से 70 प्रतिशत से ज्यादा एसोसिएट्स भारत में हैं। दुनिया भर में कॉग्निजेंट के कर्मचारियों की संख्या 3 लाख 36 हजार 300 है, जिनमें से 70 प्रतिशत से ज्यादा एसोसिएट्स भारत में हैं। कंपनी इंदौर के अलावा बेंगलुरु, भुवनेश्वर, चेन्नई, कोयंबटूर, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोच्चि, कोलकाता, मंगलुरु, मुंबई और पुणे में भी मौजूद है। कॉग्निजेंट दुनिया की सबसे बड़ी व्यावसायिक सेवा कंपनी में से एक है, जो अपनी सेवाओं के जरिए 20 अलग-अलग तरह के उद्योगों से जुड़े संगठनों को तेजी से बदल रही है। यह दुनिया में आगे रहने के लिए इन संगठनों की टेक्नोलॉजी को आधुनिक बनाती है। कंपनी का मुख्यालय अमेरिका में स्थित है, जो भारत से लेकर यूरोप, उत्तरी अमेरिका, दक्षिण अमेरिका और मध्य-पूर्व तक बड़ी तेजी से अपने दायरे का विस्तार कर रही है।

वंचित वर्गों की सेवा ही ईश्वर की सच्ची पूजा है

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इससे पहले डीपीएस स्कूल में छात्रों को संबोधित किया। यहां पर गुरुदेव शिक्षा केंद्र का उद्घाटन हुआ है। सीएम ने कहा सेवा एवं दान के सुख और आनंद को शब्दों में परिभाषित करना कठिन है। सेवा एवं दान का आनंद और सुख आत्मिक अनुभूति का विषय है। दान एवं सेवा का सुख और आनंद की अनुभूति हम कर्म करके ही प्राप्त कर सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शिक्षा का दान सबसे बड़ा दान है। ईश्वर की सच्ची पूजा वंचित वर्गों की सेवा एवं उनके कल्याण के कार्य हैं। उन्होंने कहा कि सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को लेकर शिक्षा का प्रसार किया जाना चाहिए। जो संस्थाएं ऐसे कार्यों में लगी हैं उनके कार्य सराहनीय है। उन्हीं में से एक संस्था आपकी भी है। उन्होंने कहा कि इस संस्था द्वारा कमजोर वर्ग के बच्चों को बेहतर शैक्षणिक सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, यह संस्था बधाई की पात्र है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों को गणवेश एवं पठन-पाठन सामग्री वितरित की।

लंबे समय से चले आ रहे विवाद को हाईकोर्ट ने सुलझाया

लहसुन मसाला ही नहीं यह सब्जी भी है...

इंदौर। लहसुन किचन की एक ऐसी जरूरी चीज जिसके बिना कोई भी मसालेदार सब्जी अधूरी लगती है, लेकिन लहसुन मसाला है या सब्जी? यह सवाल चर्चा का विषय बना हुआ था। अब लंबे समय बाद मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने इसको लेकर अहम फैसला सुनाया है। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा कि लहसुन सब्जी है। कोर्ट ने तर्क देते हुए कहा कि लहसुन जल्दी खराब होने वाला है, इसलिए यह एक सब्जी है। इसके साथ ही कोर्ट ने यह भी कहा कि लहसुन को सब्जी और मसाला दोनों मार्केट में बेचा जा सकता है। कोर्ट के इस फैसले से किसानों का लाभ मिलने वाला है।

बता दें कि साल 2015 में किसानों की मांग पर मध्यप्रदेश मंडी बोर्ड ने एक प्रस्ताव पारित कर लहसुन को सब्जी की कैटेगरी में शामिल किया था। लेकिन कृषि विभाग ने कृषि उपज मंडी समिति एक्ट 1972 का हवाला देते हुए लहसुन को मसाले का दर्जा दिया और मंडी बोर्ड के आदेश को रद्द कर दिया। लेकिन इसके बाद यह मामला हाईकोर्ट में चला गया। कई साल से यह मामला हाईकोर्ट में चल रहा था। आलू, प्याज, लहसुन कमीशन एजेंट एसोसिएशन ने 2016 में प्रमुख सचिव के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट की इंदौर बेंच का रुख किया था, तब सिंगल बेंच ने फरवरी 2017 में उनके पक्ष में फैसला सुनाया था और इसे सब्जी की श्रेणी में रखा था। इस फैसले से

व्यापारियों में खलबली मच गई, उन्होंने तर्क दिया कि इस फैसले से किसानों को नहीं बल्कि कमीशन एजेंटों को फायदा होगा।कोर्ट के फैसले के बाद जुलाई 2017 में पुनर्विचार याचिका दायर की गई थी। यह याचिका हाईकोर्ट की डबल जज की बेंच के पास गई। इस बेंच ने लहसुन को जनवरी 2024 में दोबारा मसाला शेल्फ में भेज दिया।

कोर्ट ने 2017 के आदेश को बरकरार रखा

अब इस मामले पर जस्टिस एसए धर्माधिकारी और जस्टिस डी वेंकटरमन की बेंच ने फैसला सुनाया है। बेंच ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए 2017 के आदेश को बरकरार रखा है, जिसमें कहा गया है कि लहसुन जल्दी खराब होने वाला है और इसलिए यह सब्जी है। हालांकि कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी कहा कि लहसुन को सब्जी और मसाला दोनों बाजारों में बेच सकते हैं। कोर्ट के इस फैसले से इसके व्यापार पर लगे प्रतिबंधों से मुक्ति मिलेगी और किसानों और एजेंटों दोनों को इसका फायदा होगा।

किसानों को हाथों-हाथ मिलेगा भुगतान

कोर्ट ने किसानों, व्यापारियों और कमीशन एजेंटों के विवाद को सुलझा दिया है। अब कोर्ट से इस फैसले ये यह तय होगा कि लहसुन को राज्य सरकार के किन बाजारों में बेजा जाएगा। इस आदेश के प्रदेश के हजारों कमिशन एजेंटों पर सीधा असर पड़ेगा।

कोर्ट की अवमाननाः वेतनमान को लेकर फैसले का पालन नहीं

आईएएस सुलेमान, रस्तोगी समेत पांच के खिलाफ वारंट जारी

इंदौर। एक कर्मचारी के वेतनमान को लेकर हुए फैसले का पालन नहीं करने पर इंदौर हाईकोर्ट ने आईएएस मोहम्मद सुलेमान, मनीष रस्तोगी, दिनेश श्रीवास्तव, विवेक पोरवाल,आरसी पनीका के खिलाफ जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। पिछले साल नवंबर में हाईकोर्ट ने स्वास्थ्य विभाग के एक कर्मचारी के वेतनमान को लेकर आदेश दिया था। जिसका पालन नहीं हुआ। इस मामले में सुनवाई होने के बाद यह तथ्य कोर्ट के सामने आया तो उन्होंने अवमानना मानकर पांच अफसरों के खिलाफ वारंट जारी कर दिया और उन्हे नोटिस जारी हुए है। अब 9 सितंबर को अफसरों को पेश होना है।

प्रदेश की पिछली सरकार ने संविदा कर्मचारियो को बढ़ा हुआ वेतनमान देने का फैसला लिया था। इसमें जो कर्मचारी छूट गए थे। उन्होंने इसके लिए आवेदन दिया। फिर भी वेतनमान नहीं मिला तो कर्मचारी पार्थन पिल्लई ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई। कोर्ट ने उनके पक्ष में फैसला लिया। फैसले का पालन नहीं होने पर पिल्लई ने कोर्ट में अवमानना याचिका लगा दी। इसके बाद कोर्ट ने पांच अफसरों को नोटिस जारी किए। अब अफसरों को 9 सितंबर को पेश होकर जमानत कराना होगी।

यह है पूरा मामला

संविदा कर्मियों के लिए पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान की सरकार ने एक पॉलिसी बनाई थी। जिसमें 100 पर्सेंट वेतनमान देने का फैसला हुआ था। ज्यादातर कर्मचारियों को जद में ले लिया गया और उन्हें वेतनमान मिल भी गया। लेकिन विभागीय लापरवाही के कारण कुछ कर्मचारी छूट गए। दरअसल, इंदौर में स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी पार्थन पिल्लई को वेतनमान (पे स्केल) नहीं मिला। उन्होंने अफसरों के सामने ये बात रखी, लेकिन कुछ नहीं हुआ। आखिर में उन्होंने हाईकोर्ट की शरण ली। नवंबर 2023 में हाईकोर्ट ने आदेश दिया और दूसरे कर्मचारियों की तरह वेतनमान देने के लिए कहा। आदेश के मुताबिक 4 महीने में वेतनमान मिलना था। लेकिन, अप्रैल 2024 तक वेतनमान नहीं मिला, तो पार्थन पिल्लई ने कोर्ट में अवमानना याचिका लगा दी।

पीथमपुर में विषैला कचरा जलाने का विरोध इंदौर में, निकाली रैली

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। भोपाल की यूनियन कार्बाइट कंपनी का 337 टन कचरा पीथमपुर में जलाए जाने का विरोध इंदौर में हुआ। सैकड़ों लोगों ने रीगल तिराहा से संभागायुक्त कार्यालय तक रैली निकाली और नारेबाजी कर विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शनकारी भोपाल का कचरा इंदौर में नहीं चलने देंगे। पीथमपुर में नहीं फैलाने देंगे जहर जैसे नारे लगाए गए। अफसरों को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन देकर भारतीय मानवअधिकार परिषद के कार्यकर्ता बोल रहे थे कि जिस कचरे को चार राज्यों ने जलाने से इनकार कर दिया। उस कचरे को 126 करोड़ के लालच में कंपनी जलाने को तैयार हो गई है, जबकि फैक्ट्री के पास तारापुर गांव है। जहां दो हजार परिवार रहते है। इस प्रदर्शन में पीथमपुर के रहवासी भी शामिल हुए थे। पीथमपुर में भी लगातार इसे लेकर रैली, प्रदर्शन, हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है। परिषद के पदाधिकारी संजय अरोरा ने कहा कि पीथमपुर प्रदेश का सबसे बड़ा इंडस्ट्रीयल क्षेत्र में है। रोजगार की तलाश में यहां अन्य प्रदेशों के लोग आकर रहने लगे है। यदि विषैले कचरे का दुष्प्रभाव फैला तो पलायन शुरू हो जाएगा।यहां विषैले कचरे का निपटना नहीं होना चाहिए। हम आपको बता दे कि 16 साल पहले पीथमपुर के तारापुर गांव में 40 टन कचरा दबाया जा चुका है। इससे तारापुर गांव का भू जल प्रदूषित हो गया है। नदी का पानी काला हो चुका है और मवेशी पानी पीने के कारण बीमार हो जाते है। अब पीथमपुर की कंपनी को 126 करोड़ रुपये कचरे के निपटान के लिए दिए जाएंगे।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने की चुनाव याचिका खारिज करने की मांग

इंदौर। मप्र में विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष और गंधवानी विधायक उमंग सिंघार के निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका पर इंदौर हाईकोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हुई। सिंघार की तरफ से याचिका को खारिज करने की मांग की गई है। बता दें इससे पहले हाईकोर्ट ने उन्हें नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। दरअसल, बीजेपी प्रत्याशी सरदार सिंह मेढ़ा ने उमंग सिंघार के खिलाफ चुनाव याचिका लगाई है। सिंघार ने उन्हें 22 हजार 119 वोट से चुनाव हराया है। याचिका में जानकारी छिपाने और चुनाव जीतने के लिए करप्ट प्रैक्टिस करने को आधार बनाया है। चुनाव प्रचार के दौरान प्रचार वाहन से शराब जब्त हुई थी।

इंदौर जमीन मामले में कूदे दिग्विजय, मुस्लिमों को कह डाला कब्जाधारी

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। करीब 100 करोड़ रुपये कीमत वाली वक्फ जायदाद पर हो रहे कब्जे के मामले में अब सियासत भी पसरने लगी है। पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने इस जमीन की फिक्र लेते हुए सीएम डॉ. मोहन यादव को टैग करते हुए ट्वीट किया है। इसमें उन्होंने इस वक्फ जमीन पर कब्जा करने वाले मुस्लिमों को बीजेपी नेताओं का संरक्षण होने की बात कही है।

उन्होंने पुलिस के किसी बड़े बीजेपी नेताओं के दबाव में होने की बात भी अपने इस ट्वीट में की है।

इंदौर के पॉश इलाके एमआर 10 पर स्थित खसरा नंबर 170 की वक्फ जमीन पर दो दिन

पहले हुए कब्जे के प्रयास पर दिग्विजय सिंह ने सीएम डॉ. मोहन यादव, कलेक्टर इंदौर समेत राष्ट्रीय कांग्रेस और प्रदेश बीजेपी को चेताया है। उन्होंने ट्वीट करते हुए इस मामले में प्रदेश के बीजेपी नेताओं द्वारा कब्जा करने वालों का सहयोग करने की बात कही है। दिग्विजय सिंह ने लिखा है कि जिस समय वक्फ जमीन पर कब्जा किया जा रहा था, उस समय पुलिस प्रशासन ने इस मामले के शिकायत कर्ताओं को बीजेपी नेताओं के दबाव में थाने पर बैठाए रखा था।

जिला वक्फ कमेटी अध्यक्ष ने किया पलटवार

दिग्विजय सिंह के ट्वीट पर इंदौर जिला वक्फ कमेटी अध्यक्ष रेहान शेख ने पलटवार करते हुए कहा है कि मुस्लिमों के हितैषी बनने वाली कांग्रेस अब श्रेय लेने की होड़ में कूद पड़े हैं। उन्होंने कहा कि कब्जा होने की सूचना पर जिला वक्फ कमेटी के मेंबरों ने तत्काल प्रशासन से संपर्क किया। इस पर आनन-फानन में कार्रवाई भी हुई है।

कांग्रेस सरकार में वक्फ प्रॉपर्टी को कितना नुकसान पहुंचा?

रेहान शेख ने कहा कि बीजेपी नेताओं पर इल्जाम लगाने की बजाए दिग्विजय सिंह इस बात पर गौर करें कि लंबे समय प्रदेश में रही कांग्रेस सरकार में वक्फ प्रॉपर्टी को कितना नुकसान पहुंचा है।

रेहान ने कहा कि कांग्रेस के दौर की फैली अव्यवस्थाओं और नुकसान को वक्फ आज तक भुगत रहा है। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार में लगातार वक्फ हित के प्रयास आगे बढ़ाए जा रहे हैं।

प्रदेश में कहीं हल्की तो कहीं तेज हुई बारिश

24 घंटे प्रदेश भर में बारिश का अलर्ट जारी

सिटी चीफ भोपाल।

मध्य प्रदेश में मंगलवार को कहीं हल्की तो कहीं तेज बारिश हुई राजधानी भोपाल में दोपहर में हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग के वैज्ञानिकों का कहना है कि मानसून ट्रफ की एक्टिविटी से मध्यप्रदेश में तेज बारिश हो रही है। यह ट्रफ ग्वालियर और सीधी से गुजर रही है। इसका असर ग्वालियर, चंबल और जबलपुर संभाग में रहेगा। अगले 24 घंटे के लिए प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में कहीं ज्यादा तो कहीं कम बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

मध्य प्रदेश मौसम विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार मध्य प्रदेश में 1 जून से 13 अगस्त 2024 की लंबी अवधि में औसत से 16त्न अधिक बारिश हो चुकी है। पूर्वी मध्य प्रदेश में औसत से 14त्न अधिक पानी गिर चुका है वहीं पश्चिमी मध्य प्रदेश में औसत से 18त्न अधिक बारिश होने की संभावना है। वहीं छतरपुर खजुराहो, टीकमगढ़, निवाड़ी ओरछा, बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा, बांधवगढ़, अनुपपुर अमरकंटक, डिंडोरी, मंडला कान्हा और कटनी में बिजली के साथ भारी बारिश होने की संभावना है।

यहां होगी हलकी बारिश

मौसम विभाग के अनुसार रीवा, मऊगंज, सतना चित्रकूट, मैहर, पन्ना में मध्यम जबलपुर भेड़ाघाट, नरसिंहपुर, नर्मदापुरम पचमढ़ी, भिंड, ग्वालियर, दतिया रतनगढ़, नीमच, मंदसौर और विदिशा उदयगिरि सहित हल्की बारिश होगी। मुरैना, श्योपुर, शिवपुरी कूनो, गुना, अशोकनगर, सागर, दमोह, भोपाल, रायसेन भीमबेटका सांची, राजगढ़, शाजापुर, सीहोर, हरदा, धार मांडू, इंदौर, झाबुआ, अलीराजपुर, देवास, बैतूल, रतलाम, बड़वारनी बावनगजा और उज्जैन महाकालेश्वर हल्की वर्षा हो सकती है।

प्रदेश के कई जिलों में हुई बारिश

पिछले 24 घंटो के दौरान प्रदेश के भोपाल, उज्जैन, जबलपुर संभागों के जिलों में कुछ स्थानो पर और नर्मदापुरम, चंबल, रीवा, शहडोल, सागर संभागों के जिलों में अनेक स्थानों पर, इंदौर, ग्वालियर संभागों के जिलों में अधिकांश स्थानों पर वर्षा दर्ज की गई। शेष संभागों के जिलों में मौसम मुख्यत: शुष्क रहा। तापमान की बात करें तो नर्मदापुरम संभाग के जिलों में बढ़ा जबकि शेष सभी संभागों के जिलों के तापमानों में विशेष परिवर्तन नहीं हुआ। वहीं न्यूनतम तापमानों में सभी संभागों के जिलों में विशेष परिवर्तन नहीं हुआ। सभी संभागों के जिलों में सामान्य दर्ज किया गया।

यहां गरज-चमक के साथ चली तेज हवा

इधर भोपाल, विदिशा, रायसेन, सिहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगौन, बड़वानी, अलिराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, देवास, शाजापुर, मंदसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुरकलां, सिंगरौली, सीधी, रीवा, मऊगंज, सतना, अनुपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पन्ना, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी में गरज-चमक के साथ तेज हवाएं चलीं।

सरकार ने स्वतंत्रता दिवस पर मंत्रियों के ध्वजारोहण को लेकर जारी की सूची

प्रदेश के 30 जिलों में मंत्री और 24 जिलों में कलेक्टर फहराएंगे तिरंगा

सिटी चीफ भोपाल।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मंत्री अपने जिलों में ध्वजारोहण करेंगे। इसमें कुछ मंत्रियों के पास दो दो जिलों को प्रभार है। इसको लेकर मंगलवार को सरकार ने मंत्रियों के ध्वजारोहण को लेकर सूची जारी कर दी। प्रदेश में 30 मंत्री जिलों में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। वहीं, बाकी 24 जगह कलेक्टर ध्वजारोहण करेंगे।

प्रदेश में 32 मंत्रियों में दो मंत्री विजय शाह और राकेश सिंह का ध्वजारोहण की सूची में नाम शामिल नहीं है। इन दोनों मंत्री की जगह कलेक्टर ध्वजारोहण करेंगे। वहीं, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भोपाल में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और जनता के नाम संदेश पढ़ेंगे। वहीं, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय इंदौर में झंडा फहराएंगे। वहीं, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा जबलपुर, उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल सागर, मंत्री प्रहलाद पटेल रीवा, मंत्री करण सिंह वर्मा सिवनी, मंत्री उदय प्रताप सिंह कटनी, मंत्री संपत्तिया उइके सिंगरौली, मंत्री तुलसी सिलावट ग्वालियर, मंत्री रामनिवास रावत दमोह, मंत्री एदल सिंह कंसाना दतिया, मंत्री निर्मला भूरिया मंदसौर, मंत्री गोविंद सिंह राजपूत गुना, मंत्री विश्वास सारंग हरदा, मंत्री नारायण सिंह कुशवाह शाजापुर, मंत्री नागर सिंह चौहान आगर, मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर शिवपुरी, मंत्री राकेश शुक्ला अशोकनगर, मंत्री चैतन्य कश्यप राजगढ़, मंत्री इंदर सिंह परमार बड़वानी, स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री कृष्णा गौर सीहोर, स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी खंडवा, स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री गौतम टेटवाल उज्जैन, स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री लखन पटेल विदिशा, स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री नारायण सिंह पंवार रायसेन, राज्यमंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल बैतूल, राज्यमंत्री प्रतिभा बागरी डिंडौरी, राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार अनुपपूर और राज्यमंत्री राधा सिंह मैहर में ध्वजारोहण करेंगे।

एआईएमआईएम प्रमुखबोले- कानून का पालन करने पर हुआ ट्रांसफर

विदिशा कलेक्टर के तबादले पर ओवैसी ने उठाए सवाल

सिटी चीफ भोपाल।

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि विदिशा कलेक्टर ने बीजामंडल को लेकर हुए विवाद में एएसआई की रिपोर्ट के आधार पर मस्जिद बताया था, जिससे हिंदू संगठनों और बीजेपी नेताओं में नाराजगी थी। इसके बाद प्रदेश सरकार ने 47 आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए, जिसमें विदिशा कलेक्टर का नाम भी शामिल था। ओवैसी ने कहा कि यह वक्फ संशोधन बिल का खतरा है, जहां अगर कोई यह कहता है कि मस्जिद, मस्जिद नहीं है, तो सरकार कलेक्टर को इसका पावर देना चाहती है। कलेक्टर को भीड़ की मांग माननी पड़ेगी, नहीं तो उसे ट्रांसफर कर दिया जाएगा। कोई भी सबूत पर्याप्त नहीं है।

बता दें, 9 अगस्त को नागपंचमी पर हिंदू संगठन के नेताओं ने बीजामंडल में पूजा करने की अनुमति मांगी थी लेकिन विदिशा जिला प्रशासन ने अनुमति नहीं दी। इसका कारण विदिशा कलेक्टर रहे बुद्धेश वैद्य ने एएसआई की 1951 की अधिसूचना में बीजामंडल को मस्जिद बताना बताया। इस मामले में कलेक्टर ने फैसला लेने के लिए ज्ञापन एएसआई को भेजा था। दरअसल, एएसआई ही इस ढांचे का संरक्षक है।

भोपाल में हाईटेंशन लाइन टूटकर नीचे गिरी डॉक्टर की मौत, तीन लोग घायल

भोपाल। शहर के अशोका गार्डन थाना क्षेत्र में स्थित सुदंर नगर कॉलोनी में सोमवार रात एक बड़ा हादसा हो गया। एक हाईटेंशन लाइन टूटकर गिर गई। इससे जमीन में भरे पानी से करंट फैल गया। इसमें होम्योपैथी के चिकित्सक उपेंद्र तिवारी बुरी तरह से झुलस गए। उन्हें गंभीर अवस्था में पास के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां कुछ देर चले उपचार के बाद उनकी मौत हो गई। घटना में तीन व्यक्ति भी करंट की चपेट में आकर घायल हो गए। अशोक गार्डन थाना प्रभारी हेमंत श्रीवास्तव ने बताया कि अस्सी फीट रोड अशोका गार्डन निवासी डॉ. उपेंद्र तिवारी और उनकी पत्नी डॉ. डिंपल तिवारी दोनों सुंदर नगर में निजी क्लीनिक चलाते हैं। रोजाना की तरह दोनों शाम को अपने क्लीनिक पहुंचे थे।

भोपाल की खराब सड़कों को लेकर कांग्रेस में नाराजगी

भारी टोल वसूली के बाद भी नहीं हैं अच्छी सड़कें

सिटी चीफ भोपाल।

मोहन सरकार ने प्रभारी मंत्रियों की सूची जारी की है भोपाल में कैबिनेट मंत्री चेतन कश्यप को जिम्मेदारी सौपी गई है। मप्र कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने प्रभारी मंत्री के आगमन से पहले भोपाल की ज्वलंत समस्याओं से अवगत कराया है। उन्होंने भोपाल की बदहाल सड़को हालच प्रभारी मंत्री के सामने रखा है।

त्रिपाठी ने बताया कि प्रदेश में आज सड़क व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है आम जनता को भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। रोड टैक्स और भारी टोल वसूलने के बाद भी जनता को मप्र की सरकार अच्छी सड़के उपलब्ध नहीं करवा पा रही है। जनता अपनी जान हथेली पर ले कर इन जानलेवा सड़को पर चलने के लिए मजबूर है। हर रोज सड़क दुर्घटनाओं की सूचना प्रदेश के कोने कोने से आती है पर भाजपा सरकार के कानो पर जू तक नहीं रेंग रही है।

सड़कें भ्रष्टाचार की भेट चढ़ गई

त्रिपाठी ने बताया कि जिस शहर से पूरा प्रदेश संचालित होता है,उस राजधानी भोपाल में ही अच्छी सड़को के लिये जनता को तरसना पड़ रहा है। मंत्रालय से लेकर राजभवन और मुख्यमंत्री कार्यालय से लेकर विधानसभा तक की सड़कें भ्रष्टाचार की भेट चढ़ गई और शहरवासियों का दुर्भाग्य है कि इन सड़को पर चलने वाले जिम्मेदार और मंत्री अधिकारी कोई सुध लेने के लिए तैयार नहीं है। त्रिपाठी ने कहा आज हम प्रभारी मंत्री को ये सुरक्षा उपकरण भेट कर मांग करते हैं कि भ्रष्टाचार की भेट चढ़ चुकी इन बदहाल सड़को का जीर्णोद्धार कर भोपालवासियों को इस प्रबल समस्या से मुक्ति दिलवाने का कष्ट करे।

फीस वृद्धि मामले में निजी स्कूलों को हाईकोर्ट से अंतरिम राहत, अगली सुनवाई 25 अगस्त को

सिटी चीफ भोपाल।

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने स्कूल फीस वृद्धि तथा रिफंड के मामले में जिला कमेटी के आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में अपील दायर की थी। हाईकोर्ट में चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा तथा जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ ने जिला कमेटी के आदेश पर रोक लगाते हुए अनावेदकों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। याचिका पर अगली सुनवाई 25 अगस्त को निर्धारित की गई है।

क्राइस्ट चर्च स्कूल, सेंट अलॉयसियस स्कूल, सेंट जॉन्स स्कूल दमोह सहित पांच स्कूलों की तरफ से दायर की गई अपील में कहा गया था कि जिला कमेटी के द्वारा उनके स्कूल की फीस का निर्धारण किया गया है। इसके

अलावा साल 2017-18 से की गई फीस वृद्धि की राशि वापस लौटाने के आदेश जारी किए हैं, जिसे चुनौती देते हुए उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। एकलपीठ द्वारा याचिका को खारिज किए जाने के कारण उक्त अपील दायर की गई है।

अपीलकर्ता की तरफ से युगलपीठ को बताया गया कि मप्र निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) के तहत स्कूल प्रबंधन फीस में दस प्रतिशत की बढ़ोतरी कर करता है। स्कूल प्रबंधन द्वारा फीस वृद्धि में 10 प्रतिशत से अधिक बढ़ोतरी की जाती है तो इसके लिए जिला कमेटी से अनुमति आवश्यक है। फीस में 15 प्रतिशत से अधिक बढ़ोतरी करने पर राज्य कमेटी से अनुमति आवश्यक है। स्कूल प्रबंधन के द्वारा 10 प्रतिशत से अधिक फीस वृद्धि नहीं की गई है। अपवाद स्वरूप अधिकतम 13 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की गई है। अपीलकर्ता की तरफ से युगलपीठ को बताया गया कि स्कूल प्रबंधन ने फीस वृद्धि के संबंध में नियमानुसार अधिकृत वेबसाइट में जानकारी अपलोड नहीं की। इसके लिए कमेटी निमानुसार स्कूल प्रबंधन पर सिर्फ अर्थदंड की कार्यवाही कर सकती है। अपील में प्रमुख सचिव, कलेक्टर, डीईओ तथा जिला कमेटी को अनावेदक बनाया गया था। याचिकाकर्ता की तरफ से अधिवक्ता अंशुमान सिंह ने पैरवी की।

कंजक्शन के दौरान समाते से नजर आएंगे मार्स और जुपिटर

आज रात आकाश में दिखेगा मंगल और गुरु का मिलन

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। 14 अगस्त को मध्यरात्रि के बाद आकाश में लालग्रह कहे जाने वाला मंगल और सौरमंडल का सबसे बड़ा ग्रह बृहस्पति जोड़ी बनाते से नजर आयेंगे।

स्वतंत्रता दिवस की सुबह सबेरे होने वाली इस घटना की जानकारी देते हुए नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने बताया कि खगोलि वज्ञान में इसे कंजक्शन ऑफ मार्स एंड जुपिटर कहा जाता है। इसके अलावा इस घटना को तकनीकी रूप से एपल्स कहते हैं । सारिका ने बताया कि 14 अगस्त की मध्यरात्रि के बाद लगभग 1 बजे ये दोनों ग्रह पूर्वी आकाश में जोड़ी बनाते ही उदित होंगे। इसके बाद इस जोड़ी को खाली आंखों से अथवा टेलिस्काप से देखा जा सकता है। धीरे-धीरे ये आगे बढ़ते हुये स्वतंत्रता दिवस की सुबह सबेरे सूर्यादय की लालिमा आने तक दिखाई देंगे । इसमें बृहस्पति की चमक माईनस 2.2 और मंगल की चमक 0.8 मैग्नीटयूड होगी। इस जोड़ी के पीछे वृषभ तारामंडल होगा ।

पृथ्वी से 22 करोड़ किमी से अधिक दूर होगा मंगल

सारिका ने बताया कि जोड़ी बनाते इन ग्रहों में मंगल पृथ्वी से लगभग 22 करोड़ किमी से अधिक दूर होगा तो बृहस्पति 80 करोड़ किमी से अधिक दूर होगा । दूरी में इतना अंतर होते हुये भी पृथ्वी से देखने पर इनका कोण इस प्रकार होगा कि वे जोड़ी के रूप में एक दूसरे मे समाते दिखेंगे।

अब 2033 में होगी ऐसी खगोलीय घटना

सारिका ने बताया कि पूर्णिमा के चंद्रमा की आकाश में चौड़ाई लगभग 0.5 डिग्री दिखती है, आज जोड़ी बनाते इन ग्रहों के बीच की दूरी सिर्फ 0.3 डिग्री रह जायेगी जो कि चंद्रमा की चौड़ाई से भी कम होगी। अगली बार बृहस्पति और मंगल के इतने करीब होने की घटना 1 दिसम्बर 2033 को होगी ।

सम्पादकीय

पेरिस ओलंपिक में नहीं बज पाई हमारे राष्ट्रगान की धुन...

भारत के खिलाड़ियों ने औसतन 29 करोड़ लोगों पर एक ओलंपिक पदक जीता है और वह भी स्वर्ण पदक नहीं, लिहाजा पेरिस ओलंपिक के दौरान एक बार भी भारत के राष्ट्रगान की धुन नहीं बजी। सिर्फ स्वर्ण पदक जीतने पर ही राष्ट्रगान की धुन बजाई जाती है। बहरहाल अब ओलंपिक खेलों का पटाक्षेप हो चुका है, लिहाजा भारतीय खेल प्राधिकरण, खेल मंत्रालय और अन्य हितधारकों को व्यापक विमर्श करना चाहिए कि लगातार प्रयासों के बावजूद भारत खेलों में पिछड़ा क्यों है?

पेरिस ओलंपिक में भारत का सफर पांच ब्रॉन्ज और एक सिल्वर मेडल के साथ समाप्त हुआ। खेल के इस महाकुंभ में एक बार फिर अमेरिका और चीन का दबदबा दिखा। बीजिंग ओलंपिक के बाद यह लगातार चौथा मौका था, जब अमेरिका ने सभी देशों को पीछे छोड़ते हुए मेडल टैली में नंबर-1 स्थान हासिल किया। भारत के खाते में इस बार एक भी गोल्ड नहीं आया। ऐसे कई मौके थे, जहां भारत गोल्ड के बेहद करीब था लेकिन भाग्य का साथ नहीं मिलने के कारण खिलाड़ी चूक गए। चाहे भारतीय हॉकी टीम का सेमीफाइनल, नीरज चोपड़ा का फाइनल मुकाबला या फिर विनेश फोगाट के साथ जो हुआ... ये सभी दिन गवाह हैं कि भारतीय खिलाड़ियों की तैयारी तो मजबूत थी लेकिन कहीं न कहीं थोड़ी कमी रह गई। गोल्ड न जीत पाने का नतीजा यह हुआ कि 1992 के बाद पहली बार भारत ओवरऑल मेडल टैली में पाकिस्तान से पीछे रह गया। पाकिस्तान ने एक गोल्ड के साथ मेडल टैली में 62वां स्थान प्राप्त किया, जबकि छह पदक के बावजूद भारत 71 वें स्थान पर आया। अब उम्मीद यही है कि लॉस एंजिल्स 2028 में भारत गोल्ड की संख्या को बढ़ाते हुए मेडल टैली में बेहतर पोजीशन हासिल करेगा। भारत ने टोक्यो ओलंपिक में सात मेडल जीते थे। यह ओलंपिक इतिहास में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। भारत की नजर इन आंकड़ों को और बेहतर करने पर थी लेकिन भारतीय खिलाड़ियों के लिए मेडल टैली में दोहरे अंक तक पहुंचने का सपना पूरा नहीं हो पाया। भारत का दोहरे अंक पर फोकस केवल मेडल टैली पर ही नहीं था, बल्कि यहां मजबूत प्रदर्शन से भारत को अपने 2036 ओलंपिक मेजबानी सपने को पूरा करने के लिए भी अपनी दावेदारी मजबूत करनी थी। मगर भारतीय दल की कड़ी मेहनत के बावजूद पेरिस ओलंपिक भारत के लिए टोक्यो के मुकाबले सफल नहीं रहा।

विश्व जनसंख्या में भारत की 18 फीसदी हिस्सेदारी है, लेकिन ओलंपिक पदक की उपलब्धि मात्र 0.5 फीसदी है। अर्थात इतनी-सी आबादी ही ओलंपिक पदक जीतने लायक है। यह आंकड़ा निराशाजनक ही नहीं, अपमानजनक भी है। ओलंपिक पदक का सीधा संबंध आबादी से नहीं है, क्योंकि एक लाख जनसंख्या वाले देश ने भी स्वर्ण पदक जीता है और 144 करोड़ की सर्वाधिक आबादी वाले भारत को एक-एक पदक के लिए तरसना पड़ता है। पेरिस ओलंपिक में भारत के 117 खिलाड़ियों ने भाग लिया, लेकिन 16 खेलों में ही अपना हुनर दिखा पाए। उसमें भी मुट्ठीभर सूरमाओं को छोड़ कर शेष फिसड्डी ही साबित हुए। चूंकि उन खिलाड़ियों ने पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था, लिहाजा हम उनकी प्रशंसा में तालियां बजाएं, हम ऐसा नहीं कर सकते। इन खिलाड़ियों पर सरकारी कोष से 470 करोड़ रुपए खर्च किए गए। यह करदाता का ही पैसा था। खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिलाया गया, विदेशी कोच रखे गए, विदेश में खेलने के अवसर दिए गए और देश में सभी सुविधाएं मुहैया कराई गईं। इतना सब कुछ महज प्रतिनिधित्व के लिए नहीं किया गया। दिक्कत यह है कि हमारे अधिकतर खिलाड़ी चैम्पियन की मानसिकता से खेले ही नहीं, लिहाजा 6 मुकाबलों में 8 खिलाड़ी चौथे स्थान पर रहे। न जाने उन्हें चौथे स्थान से इतना लगाव क्यों हो गया है? इस जमात में मीराबाई चानू (भारोत्तोलन), लक्ष्य सेन (बैडमिंटन), अर्जुन बाबुता (शूटिंग), मनु भाकर (शूटिंग), धीरज बोम्मदेवरा-अंकिता भक्त (तीरंदाजी), माहेश्वरी चौहान-अनंतजीत सिंह (स्कीट मिश्रित) आदि खिलाड़ी ऐसे ही हैं, जो जीत की दहलीज से वापस मुड़े हैं। लक्ष्य ने कांस्य पदक मुकाबले में पहला सैट जीत लिया था, लेकिन उसके बाद उन्होंने खेल में आत्मसमर्पण ही कर दिया। मीराबाई मात्र एक किलोग्राम से पिछड़ गईं, जबकि वे टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता रही हैं। स्कीट जोड़ी भी चीन से मात्र एक अंक पिछड़ गई। मनु भाकर ने तो 10 मीटर पिस्टल में दो कांस्य पदक जीत कर इतिहास रचा है। वे 25 मीटर पिस्टल में, आखिरी पलों में, निशाना चूक गईं।

अब भारत की कीमत समझ में आई मालदीव को

पर्यटन ही मालदीव की आय का सबसे बड़ा स्त्रोत है। भारत से करीब दो लाख से ज्यादा लोग हर साल मालदीव की यात्रा करते हैं। मालदीव में मौजूद भारतीय हाई कमिशन के आंकड़ों को मानें तो साल 2022 में 2 लाख 41 हजार और 2023 में करीब 2 लाख लोगों ने मालदीव की यात्रा की है। ऐसे में भारत-मालदीव के बीच बढ़ रही दूरी का असर मालदीव के टूरिज्म एवं आर्थिक व्यवस्था पर पड़ना स्वाभाविक था। भारत हमेशा अपने पड़ोसियों के प्रति अच्छा रहा है, लेकिन चीन पोषित भारत विरोध की ऐसी अकारण नफरत भारत क्यों बर्दाश्त करें?

चीन की कठपुतली बने मालदीव को आखिर भारत की कीमत समझ में आ गयी। चीन एवं पाकिस्तान की कुचालों एवं षड्यंत्रों से भारत के पडोसी देशों की हालात जर्जर होती जा रही है, जिसका ताजा उदाहरण बांग्लादेश है। लेकिन एक पडोसी देश के रूप में पिछले करीब एक साल की अवधि में मालदीव ने भी गहरे हिचकोले खाने एवं कई कड़वे अनुभवों से गुजरने के बाद अब पटरी पर आ गया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर की पिछले सप्ताह हुई मालदीव यात्रा के दौरान वहां के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू का जैसा दोस्ताना रवैया देखने को मिला, जिस तरह से उन्होंने भारत के साथ आगे बढ़ने की मंशा जाहिर की, यह उन्हें अपनी गलती का अहसास कराने का ही द्योतक कहा जा सकता है। देर आये दुरस्त आये वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए भारत-मालदीव के रिश्तों को भावनात्मक राजनीति के तकाजों पर कूटनीति की ठोस हकीकतों की जीत के रूप में देखा जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पूर्व कार्यकाल में पडोसी देशों की यात्रा करते हुए उनसे भारत के संबंधों को सौहार्दपूर्ण एवं विकासमूलक बनाने के प्रयास किये। इसी के तहत मोदी के तत्कालीन मालदीव दौरे का मुख्य उद्देश्य नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी के तहत सुरक्षा, विकास की दृष्टि के भारत के संबंधों को और मजबूत करना था। दौरे के दौरान मोदी को मालदीव के सर्वोच्च सम्मान 'निशान इजुद्दीन' से भी सम्मानित किया गया। दरअसल मालदीव की दक्षिण एशिया और हिन्द महासागर में जो स्ट्रेटजिक (सामरिक) लोकेशन है, वह भारत के लिए बेहद अहम है। मालदीव में पिछले कुछ सालों में चीन ने अपना प्रभुत्व बढ़ाया है, उसे हिंद महासागर क्षेत्र में सामरिक और रणनीतिक सहयोग बढ़ाने पर उल्लेखनीय सफलता भी मिली। लेकिन यह सब करने के पीछे चीन का मुख्य लक्ष्य मालदीव की भारत से दूरी बढ़ाना भी रहा, जिसमें उसे बड़ी सफलता मिली। इस प्रकरण की शुरुआत पिछले साल हुए राष्ट्रपति चुनाव में एक प्रत्याशी के तौर पर मुइज्जू ने भारत विरोधी भावनाओं पर दांव लगाया था। वह बार-बार सार्वजनिक तौर पर यह संकल्प करते देखे गए कि सत्ता में पहुंचते ही भारतीय सैनिकों को मालदीव से विदा कर देंगे। हालांकि सबको पता था कि भारतीय सैनिकों की वहां मौजूदगी सांकेतिक ही थी। भारत और मालदीव के बीच सदियों पुराने प्रेम एवं सौहार्द के रिश्ते एकाएक तल्ख होते दिखाई देने लगे। मालदीव की तरफ से लगातार तनाव बढ़ाने वाले बयान आते रहे, लेकिन भारत की तरफ से फिर भी संतुलित नीति अपनाई जाती रही है। इसी दौरान मोदी ने लक्षद्वीप यात्रा की, जिसका उद्देश्य कतई किसी भी देश के पर्यटन को नुकसान पहुंचाना नहीं था, बल्कि अपने देश में पर्यटन की नई संभावनाओं को तलाशना है। प्रधानमंत्री मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणियों के बाद सोशल मीडिया पर बॉयकाट मालदीव ट्रेंड होने लगा। इस हैशटैग के साथ लोगों के ऐसे पोस्ट की बाढ़ आ गई, जिसमें वे मालदीप और लक्षद्वीप की तुलना करते हुए लक्षद्वीप को बेहतर बता रहे हैं। मुइज्जू के भारत विरोध उनके अनेक मंत्रियों की तल्ख टिप्पणियों एवं रवैये के कारण वहां की अर्थ-व्यवस्था गिरने लगी, विशेषत: पर्यटन उद्योग को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा। मालदीव की नई सरकार के रुख को देखते हुए भारत ने भी वेट एंड वॉच की पॉलिसी अख्तियार कर ली। नतीजा यह हुआ कि भारत से छुट्टियां बिताने मालदीव जाने वाले टूरिस्टों की संख्या कम होने लगी। इस साल के शुरुआती चार महीनों की अवधि में वहां भारतीय टूरिस्टों की संख्या 42 प्रतिशत घट गयी। ध्यान रहे, मालदीव की जीडीपी में टूरिज्म का योगदान 30 प्रतिशत है। इतना ही नहीं, भारत के सहयोग से चलने वाले इन्फ्रा प्रोजेक्ट्स और हेल्थ, एजुकेशन और कृषि क्षेत्रों से जुड़े कई प्रोजेक्ट्स का भविष्य भी अधर में लटका दिखाई देने लगा। मुइज्जू सरकार इनकी अनदेखी नहीं कर सकती थी। किसी अन्य देश का सहयोग भी इसकी भरपाई नहीं कर सकता था। ऐसे में मुइज्जू सरकार ने पिछले कुछ समय से अपने रुख में बदलाव का संकेत देना शुरू कर दिया था। भारत ने भी इन संकेतों का सम्मान किया। नतीजा यह कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मालदीव की यात्रा की, जिसके कारण दो पड़ोसी देशों के पुराने रिश्ते फिर पटरी पर लौटते दिख रहे हैं।

मालदीव एक समय भारत का सहयोगी हुआ करता था। वहां की अर्थव्यवस्था चीन और भारत पर निर्भर है। हालांकि, मालदीव की भारत से नजदीकी हमेशा चीन को खटकती थी, जिस कारण उसने इस देश को अपने कर्ज के जाल में फंसाया। धीरे-धीरे इस देश की माली हालत बुरी होने लगी, जिसके बाद यहां चीन समर्थक और इंडिया आउट का नारा देने वाले मोहम्मद मुइज्जू की सरकार बनी।

पाकिस्तान एवं चीन के दबाव में उनके नए राष्ट्रपति के सुर बदले। वहां भारत-विरोधी स्वर उग्रतम बने। मुइज्जू ने राष्ट्रपति बनने के बाद सबसे पहले चीन का ही दौरा किया था और इसके बाद उन्होंने कई भारत विरोधी फैसले किए, लेकिन इन स्थितियों के कारण हुए भारी नुकसान का झेलते हुए मालदीव चीन के मंसूबों का भाप गया। भारत का पड़ोसी देश मालदीव हिंद महासागर पर बसा है और इस कारण यह सुरक्षा की दृष्टि से भी अहम है। यहां की नई सरकार चीन के करीब दिख रही है और चीन अपने मंसूबों को पूरा करने के लिये गलत रास्तों पर ढकेल रहा है। मालदीव के नए राष्ट्रपति ने तो अपने चुनाव प्रचार में ही इंडिया आउट का नारा दिया था। भारत एवं मालदीव के बीच तल्खी अगर बढ़ती तो हिंद महासागर रीजन की सिक्योरिटी भारत के लिए परेशानी का सबब बन सकती है।

चीन हमारे रिश्तों की तल्खी का फायदा उठाने की लगातार कोशिश कर रहा है। जिसका भारत ने खयाल रखा। इसलिए भारत सरकार की तरफ से संतुलित नीति पर बल दिया जाता रहा है, जबकि मालदीव की तरफ से तो लगातार काफी कुछ गलत कहा जाता रहा है। लेकिन मालदीव को भी यह समझ आ गया कि भारत से दूरी उसके लिये नुकसानदायी है। चीन की तुलना में भारत से मालदीव के हित ज्यादा गहराई से जुड़े हैं। फिर भी मुइज्जू भारत के साथ रिश्तों में आ रही संभावित दूरी की भरपाई चीन से करीबी रिश्तों के रूप में करना चाहते हैं। हालांकि एक्सपर्ट्स तब भी इस बात की ओर ध्यान खींच रहे थे कि भू-राजनीति की वास्तविकताओं के मद्देनजर यह संभव नहीं है कि मालदीव में जो भूमिका भारत निभा सकता है, वह चीन निभाने लगे। फिर भी चीन की शह पर भारत को आंख दिखाने की कोशिश होती रही है। राष्ट्रपति पद ग्रहण करने के बाद मुइज्जू के बयानों में हलकी सी नरमी जरूर दिखी, लेकिन नीतियों की दिशा बदलने का प्रयास फिर भी जारी रहा। लेकिन इससे हो रहे नुकसान को लेकर मुइज्जू सरकार सतर्क हो गयी। पर्यटन ही मालदीव की आय का सबसे बड़ा स्त्रोत है। भारत से करीब दो लाख से ज्यादा लोग हर साल मालदीव की यात्रा करते हैं। मालदीव में मौजूद भारतीय हाई कमिशन के आंकड़ों को मानें तो साल 2022 में 2 लाख 41 हजार और 2023 में करीब 2 लाख लोगों ने मालदीव की यात्रा की है। ऐसे में भारत-मालदीव के बीच बढ़ रही दूरी का असर मालदीव के टूरिज्म एवं आर्थिक व्यवस्था पर पड़ना स्वाभाविक था।

भारत हमेशा अपने पड़ोसियों के प्रति अच्छा रहा है, लेकिन चीन पोषित भारत विरोध की ऐसी अकारण नफरत भारत क्यों बर्दाश्त करें? निश्चित ही मालदीव के रवैये का दोनों देशों के बीच की सदियों पुरानी दोस्ती पर नकारात्मक प्रभाव पडा। भारतीय यदि मालदीव का बहिष्कार करने लगा तो वहां अर्थव्यवस्था चरमरा जायेगी, यह बात समझने में मालदीव को देर नहीं लगी। अपनी भूल को सुधारते हुए उसने भारत की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया है जो दोनों देशों के हित में है। भारतीय उपमहाद्वीप के देशों के केनवास पर शांति, प्रेम, विकास और सह-अस्तित्व के रंग भरने में भारत सक्षम है, पडोसी देशों में भारत ही मजबूत स्थिति में है, आर्थिक एवं सामरिक दोनों ही दृष्टि से भारत अपने पडोसी देशों में सशक्त एवं ताकतवर है, उसे मनोबल के साथ पडोसी देशों में स्थिरता, शांति, लोकतंत्र एवं आपसी समझ की ज्योत जलाने के लिये तत्पर रहना चाहिए, जो उन देशों के साथ भारत के लिये भी जरूरी है।

भारतीय संस्कृति और राष्ट्र

संस्कृति शब्द का अर्थ ही सम्यक कृति यह शब्द आभास देता है एकता की भावना की अगर बात भारतीय संस्कृति की हो तो यह विश्व की प्राचीनतम संस्कृतियों में से एक है यह उतनी ही प्राचीन है जितना रोम, मिश्र चीन इत्यादि किसी भी देश के लिए किसी भी व्यक्ति के लिए वह धरोहर है जिसे जानकर उसे आत्मसम्मान और पहचान मिलती है यह एक दिन में बनने वाला शब्द नहीं है यह इतिहास है जो हजारों सालों में बनता है।

भारतीय कलाओं का इतिहास कहा जाता है कि जब से है सबसे जीवन है तब से नृत्य संगीत चित्रकला इस पृथ्वी पर है ऐसा कहा और सुना ही नहीं जाता इनके साक्ष्य भी हमारे समक्ष है कलाओं के शास्त्र जिसे भरत मुनि द्वारा रचित किया गया जिसे पंचम वेद भी कहा जाता है आज से 2000 साल पहले लिखा गया इसमें कला का इतिहास जग जाहिर है फिर बात हड़प्पा की खुदाई में पाई जाने वाली नृत्य की मुद्रा में में पाई जाने वाली मूर्ति हो या दक्षिण के मंदिरों में पाई जाने वाली वह मूर्तियां जिनमे नृत्य एवं नृत्य शास्त्र से संबधित नृत्य मुद्रा में पाई जाने वाली मूर्तियां हो,हजारों साल पहले हमें वह साक्ष्य देखने को मिलते हैं इनमें अलंकित है। भारत दुनिया में दूसरा वह देश है जहां करीब 780 विभिन्न भाषाएं बोली जाती हैं। कला का संवाद इतना मजबूत है की भाषा कोई भी हो सभी राज्यों को जोड़ देता है क्योंकि नवरस के आधार पर मनुष्य समझ ही जाता है, फिर इस बात के साक्षी है हमारी पौराणिक गाथाएं हैं वह किसी भी भाषा में कह गए हो किसी भी राज्य से आए हो पर सभी उनसे अवगत है।

भारतीय कलाओं का नवीनीकरण कला में नवीनीकरण अनिवार्य पर यह शर्त है कि कला की आत्मा पर प्रहार ना हो आजकल आधुनिकता के रंग में लोक एवं शास्त्र दोनों ही स्वरूप बदल चुके हैं सोचने वाली बात यह है क्या उस्ताद जाकिर हुसैन, पंडित बिरजू, महाराज पंडित, राजन साजन, जिन दिग्गज कलाकारों को आज के समय में हम देखते हैं और सुन सकते हैं क्या उन्होंने कला के नवीनीकरण को नहीं गड़ा।

उन्होंने भी किया नवीनीकरण पर वह नवीनीकरण दर्शकों को कला के आनंद को देना था वह नवीनीकरण था भारतीय कला का प्रसार-प्रचार करने का उसके सौंदर्य बोध को निखारने का ना कि उनके अस्तित्व पर प्रहार करने का देखा जाता है की लोकगीत, सूफी एक फ्यूजन बन चुके हैं कथक में कहानी का अस्तित्व द्रुत लय की लयकारी ने ले लिया है।

समझने की बात यह है कि कला का अर्थ सिर्फ दर्शकों की ताली या अब इंटरनेट पर उपलब्ध फॉलोअर्स से नहीं वह हमारी कहानी है हमारी परंपरा है उसका नवीनीकरण उतना ही सहज रखें जिसमें कला की आत्मा समाप्त न हो।

भारत और भारतीयता का अर्थ सनातन सत्ता हमारी संस्कृति हमारी पहचान है कहा जाता है की संस्कृत हमारी सभी भाषाओं की जननी है पर विलुप्त हो रही है।

भारत 15 अगस्त 1947 के दिन स्वतंत्र नहीं, उपनिवेश जन्मा था

हम हर साल 15 अगस्त को बड़े हर्षोल्लास के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाते हैं। इसी दिन की पहली बेला पर 1947 में पंडित जवाहरलाल नेहरू ने पहले प्रधानमंत्री के तौर पर पहली बार राष्ट्रीय ध्वज के तौर पर तिरंगे को फहराने के साथ ही ऐतिहासिक भाषण ''ट्रीस्ट विद डेस्टिनी'' या भाग्य के साथ साक्षात्कार दिया था। लेकिन क्या सचमुच उस दिन हमारा देश पूरी तरह आजाद हुआ था?

दरअसल, सच्चाई यह है कि उस दिन भारत और पाकिस्तान को दो उपनिवेशों का दर्जा मिला था जिनकी सरकारें स्वदेशियों की थीं मगर सार्वभौम सत्ता फिर भी ब्रिटिश सम्राट के पास थी। उस स्वायत्तशसी भारत को सम्प्रभुता सम्पन्न लोकतांत्रिक गणराज्य बनने के लिये 26 जनवरी 1950 तक और पाकिस्तान को 1956 तक इंतजार करना पड़ा। यही नहीं उस दिन के बाद भी भारत की सेकड़ों रियासतें राजशाही के बंधनों में जकड़ी हुयी थीं।15 अगस्त 1947 के बाद भारत के संवैधानिक मुखिया ब्रिटिश साम्राज्य के प्रतिनिधि गवर्नर जनरल लॉर्ड माउंटबेटन और फिर चक्रवर्ती राजगोपालाचारी थे। माउंटबेटन के बाद जब एक भारतीय, राजगोपालाचारी ने गवर्नर जनरल के पद की शपथ ली थी तो वह शपथ भी ब्रिटिश सम्राट (हिज मजेस्टी) के प्रति बफादारी की थी न कि भारत की नयी व्यवस्था के प्रति।

सम्प्रभुता सम्पन्न एक गणराज्य के संविधान के लागू होने तक भारत पर 1935 का ही भारत सरकार अधिनियम लागू था जिसे ब्रिटिश पार्लियामेंट ने पारित किया था। यही नहीं भारत स्वतंत्रता अधिनियम, जिसके तहत भारत और पाकिस्तान दो उपनिवेशों के अस्तित्व में लाने के प्रावधान किये गये थे, वह भी ब्रिटिश संसद द्वारा पारित था। उस समय भारत की स्थिति भी ब्रिटेन द्वारा नियंत्रित अन्य उपनिवेशों की जैसी ही थी।

सरल शब्दों में कहें तो डोमिनियन या उपनिवेश ब्रिटिश साम्राज्य के भीतर स्वायत्त शासन की इकाइयां थीं जो स्वायत्त अवश्य थे लेकिन ''क्राउन'' या सम्राट के प्रति निष्ठा रखते थे। इसका मतलब यह था कि किंग जॉर्ज षष्टम भारत के सम्राट के रूप में शासन करते रहे और लॉर्ड माउंटबेटन के बाद जब चक्रवर्ती राजगोपालाचारी देश के पहले भारतीय गवर्नर जनरल बने तो उन्होंने भी ब्रिटिश ताज के प्रति बफादारी की शपथ ली।

जवाहरलाल नेहरू ने प्रधानमंत्री के रूप में शपथ तो ली लेकिन उन्हें राष्ट्र के मुखिया के तौर पर ब्रिटिश गवर्नर-जनरल के आदेश पर काम करना पड़ा और उनकी बैबिनेट के अनिर्वाचित भारतीय राष्ट्रवादी नेताओं को ब्रिटिश राजा या सम्राट के नाम पर शपथ दिलाई गई। इसका यह भी मतलब था कि एक ब्रिटिश फील्ड मार्शल भारतीय सेना का नेतृत्व करता था और ब्रिटिश द्वारा नियुक्त न्यायाधीश उच्च न्यायालयों और संघीय न्यायालय का हिस्सा बने रहते थे।

अब सवाल उठता है कि आखिर भारतीय नेताओं और खास कर कांग्रेस ने 15 अगस्त 1947 को एक स्वतंत्र संप्रभु राष्ट्र के बजाय एक डोमिनियन राज्य को क्यों स्वीकार किया? देखा जाय तो उस समय की परिस्थितियों के अनुसार यह एक व्यावहारिक निर्णय था जिसका उद्देश्य महत्वपूर्ण आंतरिक और बाहरी चुनौतियों की पृष्ठभूमि के बीच औपनिवेशिक शासन से पूर्ण स्वतंत्रता तक एक स्थिर और प्रबंधनीय सत्ता संक्रमण सुनिश्चित करना था।

कोई भी राष्ट्र अपने संविधान से चलता है और उस समय नये भारत का अपना कोई संविधान नहीं था। उस समय संविधानसभा देश के लिये अपना संविधान बनाने की प्रकृया में थी। वैसे भी संविधान तैयार करने में 2 साल 11 महीने और 18 दिन लग गये थे। जिसे संविधानसभा ने 26 नवम्ब 1949 को अंगीकृत किया गया। इसलिये इतने दिनों तक अपने लोगों द्वारा गठित सरकार को 1935 के विधान से ही काम चलाना पड़ा।

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलनका एकमात्र लक्ष्य आंशिक स्वतंत्रता न हो कर जोर पूर्ण स्वतंत्रता के लिए था। अगस्त सन् 1947 तक भारत भारी राजनीतिक और सामाजिक उथल-पुथल का सामना कर रहा था। भारत और पाकिस्तान में भारत के विभाजन के कारण भयंकर हिंसा, सामूहिक पलायन और सांप्रदायिक दंगे हुए थे।

अराजक स्थिति को देखते हुए नेताओं को लगा कि डोमिनियन स्थिति को स्वीकार करने से कुछ स्थिरता बनाए रखते हुए औपनिवेशिक शासन से पूर्ण संप्रभुता में संक्रमण को अधिक प्रबंधनीय बनाया जा सकेगा। 1940 के दशक के अंत में ब्रिटिश सरकार के साथ बातचीत जटिल थी। अंग्रेज जल्दी से जल्दी भारत से चले जाना चाहते थे और डोमिनियन स्टेटस एक समझौता था जिसने उन्हें भारत को एक सीमा तक स्वायत्तता प्रदान करते हुए अपने प्रस्थान को सहज और सरल बनाने में मदद मिली।

जवाहरलाल नेहरू और सरदार पटेल जैसे नेताओं ने एक स्थिर प्रशासनिक ढांचे की आवश्यकता अनुभव की जिसके लिये डोमिनियन स्टेटस सरल और सहज समझा गया। इस दर्जे से भारत को धीरे-धीरे अपनी सरकार और संस्थाएँ स्थापित करने में आसानी हुयी और यह सुनिश्चित हुआ कि एक पूर्ण संप्रभु राज्य में संक्रमण सुचारू और सुनियोजित होगा। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद का अंतर्राष्ट्रीय वातावरण भी उपनिवेश के दर्जे का एक कारक था।

नवगठित संयुक्त राष्ट्र और उसके उपनिवेशवाद विरोध के सिद्धांत वैश्विक राजनीति को प्रभावित कर रहे थे। डोमिनियन स्टेटस को स्वीकार करके भारतीय नेता अंतत: पूर्ण संप्रभुता की तैयारी करते हुए अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों के साथ जुड़ रहे थे। उस समय कांग्रेस द्वारा डोमिनियन स्टेटस को पूर्ण स्वतंत्रता की ओर एक कदम के रूप में देखा गया। इसके नेताओं का मानना था कि यह चरणबद्ध दृष्टिकोण उन्हें देश की राजनीतिक और आर्थिक संरचनाओं को प्रभावी ढंग से बनाने की अनुमति देगा। इस संक्रमण काल का उद्देश्य पूर्ण और स्थिर संप्रभुता का मार्ग प्रशस्त करना था।

15 अगस्त 1947 के दिन भारतीय उपमहाद्वीप में 565 रियासतों को आधिकारिक तौर पर मान्यता दी गई थी। इसके अलावा हजारों जमींदारी एस्टेट और जागीरें भी थीं। 1947 में भारत के कुल भूभाग में से 40 प्रतिशत पर देसी रियासतें थीं जिसमें 23 जनसंख्या थी जोकि सामंती शासन के अधीन थी। सबसे महत्वपूर्ण राज्यों के पास अपने स्वयं के ब्रिटिश राजनीतिक एजेंट थे। इसलिये भी नहीं कहा जा सकता कि भारत 15 अगस्त 1947 को पूरी तरह से स्वतंत्र हो गया था।

दरअसल भारत को सम्पूर्ण आजादी के साथ सम्प्रभुता सम्पन्न लोकतांत्रिक गणराज्य का दर्जा देने देने वाला कोई और नहीं बल्कि देश की संविधान सभा थी जिसने अनुच्छेद 395 के क्रांतिकारी प्रावधान ने ब्रिटिश संसद द्वारा पारित और महारानी द्वारा आदेशित भारत सरकार अधिनियम 1935 तथा भारत स्वतंत्रता अधिनियम 1947 को सीधे-सीधे रद्द या रिपील कर दिया था। संविधान के इस अनुच्छेद ने गुलामी की इन निशानियों को एक झटके में इतिहास के कूड़ेदान में डाल दिया था।

पसमांदा उत्थान समिति के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट अनवर अहमद मंसूरी ने राष्ट्रीय पसमांदा के मंच से मुस्लिम समाज को दिया संदेश

जहां रहेंगे वफादारी से रहेंगे, जिसके साथ रहेंगे वफादारी के साथ रहेंगे , जहां काम करेंगे वफादारी से काम करेंग

शाहरूख मिर्ज़ा । सिटी चीफ

नीमच, पसमांदा समाज को लेकर नीमच जिले के बंधनगार्डन में प्रदेश स्तरीय का एक अधिवेशन का आगाज किया गया जिसमें मुस्लिम पसमांदा बिरादरियों के राष्ट्रीय स्तरीय प्रदेश स्तरीय जिलास्तरीय के पदाधिकारी गढ़ सम्मीलत व शामिल हुए जिसमें पसमांदा मुस्लिम उत्थान समिति के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट अनवर अहमद मंसूरी मुख्य वक्ता के रूप में मंच पर सम्मिलित हुए व पूर्व नगर पालिका नीमच अध्यक्ष राकेश जैन पप्पू विशेष अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए

पसमांदा एक फ़ारसी शब्द है जिसका अर्थ है पसमांदा छूटे हुए लोग जो पस और मांदा से मिलकर बना है. पस का अर्थ पीछे होता है और मांद का अर्थ छूट जाना होता है.ऐसे में पीछे छूट गए लोगों को पसमांदा कहा जाता है. मुस्लिमों में सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े तबके को पसमांदा कहा जाता है. पसमांदा मुस्लिम, जो कि मध्यप्रदेश की मुस्लिम आबादी का लगभग 80त्न हिस्सा है,वर्तमान की केंद्र सरकार ने मुस्लिम समुदाय को सशक्त किया है. सरकार ने पसमांदा मुस्लिमों को सरकारी योजनाओं से सीधा फायदा पहुंचाया है. बिना किसी भेदभाव के मोदी सरकार की नीतियों का लाभ पसमांदा मुस्लिम समाज तक सीधे पहुंच रहा है. आजाद भारत में अभी तक किसी भी प्रधानमंत्री ने पसमांदा मुसलमानों की सुध नहीं ली. नरेंद्र मोदी भारत के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने पसमांदा मुसलमानों के दर्द को समझा और उनके राजनैतिक, सामाजिक व आर्थिक और शैक्षणिक पिछड़ेपन को महसूस किया.राजनैतिक, आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े हुए पसमांदा मुसलमानों को सभी राजनीतिक दलों ने सिर्फ अपने फायदे के लिए वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल तो किया, लेकिन पसमांदा मुसलमानों को उनके हाल पर छोड़ दिया. जब भी कुछ देने की बात आई तो मुस्लिम समाज के कुछ तथाकथित ठेकेदारों को रेवड़ी खिला कर इन पसमांदा मुसलमानों को इनके मूल मुद्दों से भटकाने का काम किया. भाजपा ही सच्चे अर्थों में पसमांदा मुसलमानों की हितैषी साबित हुई है. भाजपा ने अपनी योजनाओं के माध्यम से पसमांदा मुस्लिम समाज का आर्थिक, शैक्षणिक और सामाजिक विकास बिना किसी भेद भाव और बिना तुष्टीकरण किए किया है.सरकार की आवास योजना, आयुष्मान योजना, किसान सम्मान , लाडली बहना ,निधि योजना जैसी अनेकों योजनाओं से देश के दलित, शोषित, पीड़ित, गरीब मजदूर किसानों के साथ- साथ भारतीय मूल का पसमांदा मुसलमान को भी योजना से लाभान्वित कराया गया है. आजादी के बाद 75 साल मे पसमांदा मुसलमान हाशिये पर आ चुका था. सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ इस समाज तक पहुंचना शुरू हुआ है तब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पसमांदा समाज का भरोसा और गहरा हुआ है. आजादी के बाद से पिछले 70 साल में देश व प्रदेशों में कांग्रेस, सपा, बसपा समेत अन्य तथाकथित सेक्युलर विपक्षी दलों ने पसमांदा मुस्लिमों को गुमराह किया है. और उनका इस्तेमाल सिर्फ बैंक वोट के रूप में किया है इन दलों ने अपने फायदे के लिए मुस्लिम समाज को का भरपूर इस्तेमाल किया है. सिर्फ वोट बटोरने के लिए मुस्लिम समाज को गुमराह किया जाता है. इस पर चिंता व्यक्त करते हुए भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी के द्वारा हैदराबाद अधिवेशन में पसमांदा मुसलमानों के हितों के लिए और उनके अधिकारों की बात कही तभी से पसमांदा मुस्लिम को लेकर सभी राजनीतिक पार्टियों में वोट बैंक खसकने को लेकर उत्तल-पुथल मची हुई है। तथा आज पसमांदा अधिवेशन नीमच में रखा गया है इसके माध्यम से पसमांदा की आवाज देश के प्रधानमंत्री और प्रदेश के मुखिया तक पहुंचाई गई पसमांदा मुस्लिम समाज के शिक्षित अल्पसंख्यक आयोग वक्फ कमेटी, हज कमेटी ,मदरसा बोर्ड एवं अल्पसंख्यकों के संबंधित योजनाओं के संबंधित विभागों का दायित्व एवं सदस्य बनाए व योजनाओं में भागीदार बनाएं जिससे अल्पसंख्यक को योजनाओं का लाभ मिल सके जिससे वह प्रधानमंत्री के सपनों को सपनों को साकार कर सके। सही समय है कि अपने खोए हुए राजनैतिक सम्मान को वापस लाने, पिछड़ेपन को दूर करने , शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में आगे बढ़ा जाए.

स्वतंत्रता दिवस को भव्यता एवं परम्परागत रूप से मनाए जाने के संबंध में हुई बैठक

गणमान्य व्यक्तियों एवं अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपते हुए कार्यक्रम को बेहतर करने के लिए की अपील

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल के निर्देशानुसार अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ. अर्चना द्विवेदी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट नवीन सभागार में स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय पर्व को मनाये जाने के संबंध में बैठक की गयी। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के संबंध में अधिकारियों को सौंपी गयी जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से क्रियान्वित करते हुए कार्यक्रम को भव्यता के साथ मनाया जाए। जनपद में परंपरागत तरीके से मनाए जाने वाले कार्यक्रमों में प्रभात फेरी, ध्वजारोहण, महापुरूषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कार्यक्रम, फल वितरण कार्यक्रम, रूट मार्च, सांस्कृतिक कार्यक्रम, वॉल पेंटिंग प्रतियोगिता एवं अन्य कार्यक्रमों के संबंध में समाज के गणमान्य व्यक्तियों एवं अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपते हुए कार्यक्रम को बेहतर करने के लिए अपील की। इस अवसर पर

अपर जिलाधिकारी ने अवगत कराया कि महापुरूषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कार्यक्रम गांधी पार्क, घण्टाघर चौक, देहरादून चौक, चौधरी चरण सिंह चौक, जनकपुरी चौक सहित अन्य निर्धारित स्थलों पर किया जायेगा। जिसकी जिम्मेदारी अधिकारियों को दे दी गयी है। फल वितरण कार्यक्रम राजकीय चिकित्सालय, कुष्ठ आश्रम, मानव मंदिर सहित अन्य निर्धारित स्थानों पर किया जायेगा। इसके लिए नगर मजिस्ट्रेट को निर्देश दिए गये है कि वितरित किए जाने वाले फलों की गुणवत्ता बेहतर हो। बैठक में पुलिस अधीक्षक नगर अभिमन्यु मांगलिक, सिटी मजिस्ट्रेट गजेन्द्र कुमार, चीफ वार्डन सिविल डिफेन्स राजेश जैन, महेन्द्र कुमार तनेजा, जामा मस्जिद प्रबन्धक मौलवी फरीद, आमिर खान, रविन्द्र मिग्लानी सहित समाज के सम्मानित सदस्यों सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

14 अगस्त को मनाया जाएगा विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

आईएमए भवन में विभाजन से संबंधित अभिलेखों की लगायी जाएगी प्रदर्शनी

गौरव सिंघल। सिटी चीफ

सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल के निर्देशानुसार नगर मजिस्ट्रेट गजेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस की तैयारियों के संबंध में बैठक आहूत की गयी। बैठक में नगर मजिस्ट्रेट ने बताया कि 14 अगस्त को आईएमए भवन में विभाजन विभीषिका से संबंधित अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। इसके तहत विभाजन विभीषिका के दौरान विस्थापित परिवारों के सदस्यों केा आमंत्रित कर त्रासदी के दौरान प्राणोत्सर्ग करने वाले लोगों की याद में मौन श्रद्धांजलि दी जाएगी। इसके साथ-साथ विस्थापित परिवार के सदस्यों को सम्मानित किया जाएगा। गजेन्द्र कुमार ने कहा कि विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस हमें न

सिर्फ भेद-भाव, वैमनस्य एवं दुर्भावना को खत्म करने की याद दिलाता है बल्कि इससे एकता, सामाजिक सद्भाव और मानव सशक्तिकरण की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देश दिए कि प्रदर्शनी स्थल में स्कूली छात्रों का भ्रमण भी करवाएं। इस अवसर पर जिला सूचना अधिकारी दिलीप कुमार गुप्ता, तहसीलदार सदर अमित कुमार, के0एल0अरोडा, सुरेन्द्र शर्मा, आरके जैन, सुपनीत सिंह सहित डीआईओएस प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

गोलबाजार रामलीला मैदान में अवैध कब्जा

रामलीला कमेटी ने पत्रकार वार्ता में जताया विरोध

सुनील यादव। सिटी चीफ

कटनी, कटनी गोलबाजार रामलीला मैदान में चारो ओर कब्जा हो गया है। अतिक्रमण की वजह से रामलीला मैदान का अस्तित्व खतरे में नजर आ रहा है। रामलीला मंच के दायी तरफ राम दरबार की स्थापना करते हुए करीब 2 हजार वर्गफुट जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है वही यहां नगर निगम द्वारा दो करोड़ रुपये की लागत से ऑडिटोरियम निर्माण की योजना तैयार की गई है, जिससे आने वाले समय रामलीला मंचन के आयोजन पर संकट मंडरा रहा है। यह आरोप गोलबाजार रामलीला कमेटी ने पत्रकार वार्ता में लगाते हुए शासन प्रशासन से तत्काल कार्यवाही की मांग की है। कमेटी के प्रमुख पदाधिकारी एडव्होकेट भरत अग्रवाल ने बताया कि गोलबाजार रामलीला मैदान में वर्ष 1884 से रामलीला का सफल मंचन होता आ रहा है। शहर की सबसे पुरानी रामलीला कमेटी द्वारा हर साल सफलता पूर्वक रामलीला का मंचन किया जा रहा है। इस साल भी 25 सितम्बर से रामलीला का मंचन किया जाएगा। समाजसेवी रवि खरे ने बताया कि इसके करीब एक

सप्ताह पहले भूमिपूजन किया जाएगा। लेकिन विडम्बना है कि अभी तक रामलीला मैदान में व्याप्त अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही नहीं की गई है, जबकि मैदान में चारों तरफ अवैध कब्जा हो गया है। कतिपय लोगों ने यहां राम दरबार की स्थापना कर दी है। रात के समय मैदान असामाजिक तत्वों का अड्डा बन जाता है। जिनकी वजह से कई तरह की दिक्कतें हो रही है। उन्होंने बताया कि हर साल प्रशासन द्वारा एक महीने के लिए मैदान को खाली कराकर गोलबाजार रामलीला कमेटी को सौंपा जाता है लेकिन इस बार ऐसा होता नहीं दिख रहा। इसके पीछे मुख्य कारण रंगमंच के दायी तरफ अवैध कब्जा है। कमेटी द्वारा इस अवैध कब्जे की शिकायत पुलिस एवं प्रशासन से की गई थी।

रामलीला कमेटी के पदाधिकारियों ने कहा कि शहर की ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर को नष्ट करने का कुत्सित प्रयास नगर निगम प्रशासन द्वारा किया जा रहा है। शहर में कई ऐसी जगह है, जहां पर ऑडिटोरियम का निर्माण किया जा सकता है लेकिन नगर निगम ने ऑडिटोरियम निर्माण के लिए गोलबाजार रामलीला मैदान का ही चयन किया, यह समझ से परे है। 2 करोड़ रुपये की लागत से यहां पर बनने जा रहे ऑडिटोरियम के निर्माण के बाद रामलीला का मंचन कैसे होगा और हजारों की तादात में आने वाले दर्शक कहां बैठकर रामलीला का लुत्फ उठाएंगे, एसक नगर निगम प्रशासन के पास कोई जबाव नहीं है,ऑडिटोरियम में 200 से 250 दर्शकों के बैठने की व्यवस्था होगी और टिकट काउंटर भी बनाया जाएगा। रामलीला कमेटी के पदाधिकारियों ने ऑडिटोरियम निर्माण की योजना का विरोध करते हुए कहा कि शहर और जनहित में यह ठीक नहीं है।

कटनी स्टेशन में गूंजा वन्दे मातरम

रेल की पटरी पर निकली गई तिरंगा यात्रा

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी, हर घर तिरंगा अभियान के तहत जीआरपी एवं आरपीएफ द्वारा कटनी रेलवे जंक्शन परिसर पर तिरंगा रैली निकाली गई। इस अवसर पर देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत गगनचुंबी नारे भी गुंजायमान हुए। वही रेलवे जंक्शन परिसर के अलावा रेल की पटरियों पर भी जीआरपी और आरपीएफ पुलिस बल ने निकाली तिरंगा यात्रा। जीआरपी टीआई अरुणा वाहने एवं आरपीएफ टीआई अनिल दीक्षित के नेतृत्व में तिरंगा रैली जीआरपी से शुरू होकर स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया से होते हुए प्लेटफार्म

क्रमांक 2 जबलपुर एन्ड के आउटर रेलवे ट्रेक पहुंची। यहां आउटर पर जीआरपी आरपीएफ के अधिकारियों कर्मचारियों ने देशभक्ति के नारे लगाए। यहां से तिरंगा यात्रा वापस होते हुए सर्कुलेटिंग एरिया पहुंचकर समाप्त हुई। यहां राष्ट्रगान का गायन किया गया। रैली में बड़ी संख्या में जीआरपी एवं आरपीएफ के अधिकारियों कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

हर घर तिरंगा अभियान अंतर्गत युवा मोर्चा ने निकाली विशाल तिरंगा बाईक यात्रा

तिरंगा यात्रा का उद्देश्य देश भक्ति और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना है - सांसद राहुल सिंह

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ

दमोह, हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के आवाहन पर आज तिरंगा बाइक रैली युवा मोर्चा विधानसभा दमोह द्वारा निकाली गई। तिरंगा यात्रा का प्रारंभ जिला भाजपा कार्यालय से प्रारंभ होकर पुराना थाना, गढ़ी मुहल्ला, बड़ा पुरा, पठानी मुहल्ला, धगट चौराहा, घंटाघर, तीन गुल्ली, जबलपुर नाका से होते हुए जिला भाजपा कार्यालय में संपन्न हुई । तिरंगा यात्रा में भाजपा जिलाध्यक्ष प्रीतम सिंह, दमोह सांसद राहुल सिंह, पूर्व वित्त मंत्री दमोह विधायक जयंत मलैया, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रिंस जैन की अगुवाई में निकाली गई। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रीतम सिंह लोधी ने कहा आज भारतीय जनता युवा मोर्चा के नेतृत्व में दमोह से तिरंगा यात्रा प्रारंभ हुई है, प्रत्येक घर तक तिरंगा पहुंचाने का संकल्प लेकर भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता निकला है। निश्चित ही हमारा जो राष्ट्रीय पर्व 15 अगस्त है उसे प्रत्येक व्यक्ति अपने-

अपने घरों पर तिरंगा झंडा फहराकर मनाए और इस अभियान को भारतीय जनता युवा मोर्चा के नेतृत्व में दमोह जिले की चारों विधानसभा में इसी प्रकार से तिरंगा यात्रा के माध्यम से संदेश देने का काम किया जा रहा है। दमोह सांसद राहुल सिंह ने कहा कि तिरंगा यात्रा कार्यक्रम में सम्मिलित होकर गर्व की अनुभूति हो रही है। हर घर तिरंगा अभियान में आप सब शामिल होकर गर्व से आजादी का पर्व मनाए उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान का उद्देश्य है कि सभी लोग अपने घरों में तिरंगा फहरा कर आजादी का जश्न मनाएं। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पूरे देशवासी इस अभियान में देशभक्ति के भावना के साथ सम्मिलित हो रहे हैं। यह राष्ट्रव्यापी अभियान लोगों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रोत्साहित करता है जिसका उद्देश्य देश भक्ति और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना है। दमोह विधायक जयंत मलैया ने कहा कि घर-घर तिरंगा लहराकर हमें स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति नमन की भवना को सुनिश्चित करना चाहिए। तिरंगा हमें राष्ट्र के प्रति समर्पित और राष्ट्र सेवा की भावना को बताता है। इसलिए हमारा फर्ज है कि हम तिरंगे की आन बान शान के लिए किसी भी तरह का समझौता नहीं करना है। हर घर तिरंगा अभियान देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने का एक प्रयास है। भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं अभियान विधानसभा प्रभारी अरूण तिवारी ने कहा कि युवा मोर्चा द्वारा निकाली जा रही तिरंगा यात्रा प्रत्येक व्यक्ति को राष्ट्रीय भावना से प्रेरित करने का कार्य करेगा। युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रिंस जैन ने कहा कि हम युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने यह ठाना है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो अभियान शुरू किया है उसे जन जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। व्यापारियों को तिरंगा झंडो का किया वितरण भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा द्वारा सांसद राहुल सिंह, जिलाध्यक्ष प्रीतम सिंह के मार्गदर्शन में नगर के मुख्य बाजार में व्यापारियों को तिरंगा झंडो का वितरण किया गया एवं सभी से आग्रह किया कि वह अपने घर और प्रतिष्ठान में तिरंगा फहराये। तिरंगा यात्रा में पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रदेश महामंत्री संजय राय, बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ प्रदेश सहसंयोजक श्याम शिवहरे, तिरंगा यात्रा जिला प्रभारी जिला महामंत्री रामेश्वर चौधरी, गोपाल पटेल, जिला उपाध्यक्ष रमन खत्री, संजय सेन, अमित बजाज, जिला कोषाध्यक्ष सुरेश पटेल, जिला मंत्री वर्षा रैकवार, संजय यादव, जिला मीडिया प्रभारी राघवेंद्र सिंह परिहार, सह प्रभारी महेंद्र जैन, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि गौरव पटेल, जनपद पंचायत दमोह अध्यक्ष प्रतिनिधि राजू ठाकुर, पवन तिवारी, कृष्णा राज, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष शिखा जैन, पार्षद नरेंद्र चंदेल, यशपाल राजपूत, रधु श्रीवास्तव, कपिल सोनी, युवा मोर्चा जिला महामंत्री कार्तिक शैलार, जिला उपाध्यक्ष दीपक मिश्रा,जिला मीडिया प्रभारी राहुल कुमार जैन, मंडल अध्यक्ष राजुल चौरहा, राकेश लोधी, मयंक तोमर, रघुवीर रजक, महेन्द सिंह, सहित बड़ी संख्या में युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

लोगों ने जोश के साथ भारतमाता की जय और वंदे मातरम् के नारे लगाये

78 फीट का तिरंगा झण्डा पूरी यात्रा के दौरान आकर्षण का केन्द्र बना रहा–कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, देश स्वतंत्र हुये 78 वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है, देश की आजादी का वह जश्न जोश इतने सालों के बाद आज फिर नगर में देखने मिला जब पूर्व वित्तमंत्री और दमोह के विधायक जयंत कुमार मलैया की उपस्थिति और कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर के नेतृत्व में आज तहसील ग्राउण्ड से 78 फीट के तिरंगे के साथ एनसीसी के कैडेट्स तिरंगा लेकर रैली में चल रहे थे । बड़े ही जोश से भारत माता की जय, वंदे मातरम् के नारे लगाते हुये लोग रैली में चल रहे थे। पुलिस बैंड, पुलिस बल, एनसीसी, जनअभियान परिषद के साथ विभिन्न सामाजिक संस्थाओं ने तिरंगा लहराते हुये आजादी का जश्न मनाते हुये दमोह नगर में एक उमंग और जोश का परचम लहराया। तिरंगा रैली को विधायक जयंत कुमार मलैया ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया और बैंक चौराहा पर वीर सपूत चन्द्र शेखर आजाद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। घण्टाघर पर महात्मागांधी जी की मूर्ति और अस्पताल चौक पर डॉ.भीमराव अम्बेडकर जी की मूर्ति के समक्ष पुष्प अर्पित किये गये। रैली का जगह-जगह विभिन्न संगठनों ने स्वागत किया। तिरंगा रैली तहसील मैदान पहुंचने पर हर-घर झण्डा की शपथ दिलाई गई और राष्ट्रगान जन-गण-मन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रीतम सिंह लोधी, नरेन्द्र बजाज, जनपद अध्यक्ष प्रीति कमल सिंह ठाकुर, शिखा जैन, पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी, वनमण्डलाधिकारी एमएस उईके, अपर कलेक्टर मीना मसराम, एडीशनल एसपी संदीप मिश्रा, एसडीएम आरएल बागरी, सीएसपी अभिषेक तिवारी, प्रधानमंत्री सड़क महाप्रबंधक केसी कोरी, सीईओ जनपद पूनम दुबे, नर्मदा सिंह एकता, वर्षा रैकवार, धीरज कुमार अहीरवाल, प्रिंस जैन, संतोष रोहित, कृष्णा पटैल सहित अन्य सामाजिक संगठनों के पदाधिकारीगण, छात्र-छात्रायें, शिक्षकगण सहित आमजन मौजूद थे।

तिरंगा रैली में इन्होंने भी निभाई सहभागिता – तिरंगा रैली में छात्र क्रांतिदल, गायत्री परिवार, रोटरी क्लब, व्यापारी संघ, भारतीय जैन मिलन, महिला जैन मिलन, कुर्मी क्षत्रिय समाज, ब्रम्हकुमारी आश्रम, जन अभियान परिषद ,परिवर्तन × हेल्थ एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी इमलाई एवं सभी संस्थाएं, भाजपा महिला मोर्चा, यूथ मोर्चा, छात्र क्रांतिदल, वेश्य महासंघ, रैकवार समाज, विश्व हिन्दु परिषद, अहिरवार सूर्यवंशी जाटव समाज आदि सामाजिक संगठन शामिल हुये और पुष्प वर्षा कर रैली का स्वागत किया। स्काउड गाईड, एन.सी.सी. स्कूल के छात्र-छात्राये, शौर्य दल एवं आपदा प्रबंधन दल भी रैली में शामिल रहे । इस मौके पर कार्यक्रम का संचालन डॉ.आलोक सोनवलकर, पं. विपिन चौबे और सुनील वेजेटेरियन ने किया। जनअभियान परिषद के समन्वयक सुशील नामदेव ने रैली में सामाजिक संगठनों के साथ सहभागिता निभाई।

भारतीय राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ भोपाल द्वारा कृषक सम्मेलन दमोह के मानस भवन में संपन्न हुआ

भारी संख्या में किसान उपस्थित रहे

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, कृषक सम्मेलन के मुख्य अतिथि जयंत मलैया विधायक पूर्व वित्त मंत्री मध्य प्रदेश शासन के मुख्य अतिथि में, कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथियों में नरेंद्र बजाज अध्यक्ष व्यापारी संघ, अपर्णा भारतीय राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ भोपाल, केशव नाथ तिवारी प्रबंध निदेशक एबीएन मल्टी स्टेट कोऑपरेटिव दमोह, पीएम तिवारी जिलासमन्वयक उद्यमिता विकास केंद्र, मनोज अहिरवार जिला समन्वयक कृषि विज्ञान केंद्र दमोह द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर पूजन एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। माननीय जयंती मैया पूर्व वित्त मंत्री मध्य प्रदेश शासन द्वारा जिले के किसानों को दलहनी तिलहनी फसलों का ज्यादा से ज्यादा उत्पादन कर भारतीय राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ भोपाल से जुड़कर अपनी फसल को एमएसपी रेट पर बच्चे , उनकी फसल का उचित मूल मिले इसके लिए सरकार कटिबंध है, अपर्णा जी ने कहा कि जिले के ज्यादा से ज्यादा किसान भाई हमारे विभाग की वेबसाइट एवं त्तक्र कोड का इस्तेमाल करें और ज्यादा से ज्यादा विभाग से लाभान्वित हो, दमोह जिले के आए हुए किसानों को नीम का पौधा अवन मूंगा , एवं सहजन का पौधा, डायरी पान फोल्डर एवं छाता कृषक बंधुवर मुख्य अतिथियों के द्वारा समस्त कृषकों को वितरित किए गए एवं मीडिया से पधारे डॉक्टर एल एन वैष्णव, मनीष सोनी दिनेश शुक्ला धीरज कुमार अहिरवाल का सॉल उड़ाकर सम्मान किया गया कार्यक्रम का संचालन जिले के केंद्र प्रभारी देवेंद्र चौबे एवं सीमा जाट के द्वारा किया गया, भारी संख्या में किसानों की उपस्थिति रही।

उपार्जन कार्य में लापरवाही बरतने के आरोप में कलेक्टर श्री कोचर ने की कार्यवाही

ऑपरेटर राहुल श्रीवास्तव को आगामी उपार्जन कार्य हेतु ब्लेक लिस्टेड किया

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, सेवा सहकारी समिति सिंगपुर को उपार्जन पंजीयन में लापरवाही बरतने एवं शासन की पंजीयन नीति का पालन न करने के आरोप में कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने समिति के ऑपरेटर राहुल श्रीवास्तव को आगामी उपार्जन कार्य हेतु ब्लेक लिस्टेड किया है। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा है समिति के ऑपरेटर राहुल श्रीवास्तव की सेवाए आगामी उपार्जन में किसी भी समिति द्वारा उपार्जन कार्य हेतु न ली जाये। इसी प्रकार कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने समिति प्रबंधक/ केन्द्र प्रभारी फतेहपुर कन्हैयालाल चौबे के स्पष्टीकरण से असहमत होते हुये तत्काल निलंबित कर आगामी कार्यवाही से कलेक्टर को अवगत कराने के निर्देश सहायक आयुक्त सहकारिता को दिये हैं।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में आयुष्मान आरोग्य शिविर का आयोजन आज

डॉ. जैन ने क्षेत्रीय नागरिकों से नि :शुल्क स्वास्थ्य लाभ लेने का आग्रह किया

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, जनसमुदाय तक विशेषज्ञ स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाये जाने के उद्देश्य से आज 14 अगस्त को आयुष्मान आरोग्य मंदिर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर (उप स्वास्थ्य केन्द्र) पर आयुष्मान आरोग्य शिविर आयोजित किये गये है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मुकेश जैन ने बताया शिविर के दौरान मुख्य रूप से गर्भवती महिलाओं, बच्चों, चिन्हित एनसीडी हितग्राहियों, संभावित मानसिक रोगियों एवं 60 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के हितग्राहियों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी। संस्था में आने वाले हितग्राहियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर नि:शुल्क आवश्यकतानुसार जांचे एवं दवा दी जायेगी। इस संबंध में रूपरेखा बना ली गई है। उन्होंने बताया 15 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर जिला चिकित्सालय/सिविल अस्पताल में कार्यरत विशेषज्ञ चिकित्सक/पी.जी.एम./स्किल लैब प्रशिक्षित एल.एम.ओ. द्वारा शिविर दौरान स्वास्थ्य सेवायें दी जायेगी। वहीं ग्रामीण स्तर पर समुदाय के निकट संचालित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर सी.एच.ओ. द्वारा स्वास्थ्य सेवायें दी जायेगी। ग्राम की आशा द्वारा शिविर में गर्भवती महिलाओं, एन.सी.डी. हितग्राहियों, बच्चों को मोबिलाईज किया जायेगा। डॉ. जैन ने क्षेत्रीय नागरिकों से नि:शुल्क स्वास्थ्य लाभ लेने का आग्रह किया है। **इन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में शिविर लगाकर दी जायेगी सेवायें**- डॉ. मुकेश जैन ने बताया कि आयोजित स्वास्थ्य शिविर दौरान गैर संचारी रोग अंतर्गत ब्लड प्रेशर, डायबिटीज चिन्हित हितग्राहियों को नि:शुल्क दवा का वितरण किया जायेगा। शिविर में पहुंचने वाले आमजनों का ब्लड प्रेशर शुगर एवं टी.बी. के लक्षणों की जांच की जायेगी। व्यक्तिगत स्वच्छता, उचित खान-पान, एनीमिया, मौसमी बीमारियों से बचाव एवं देखभाल के संबंध में आवश्यक परामर्श भी दिया जायेगा। जटाशंकर बीड़ी कालोनी स्थित शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के अलावा हिण्डोरिया अंतर्गत अभाना, बांदकपुर, ईमलियाघाट, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पथरिया अंतर्गत जेरठ, बांसाकलां, सदगुवां, शाहपुर सोनकिया में विशेषज्ञ चिकित्सक द्वारा सेवायें दी जायेंगी। वहीं हटा अंतर्गत आने वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों मढियादो, रनेह, हिनोता तथा पटेरा अंतर्गत कुम्हारी, जबेरा अंतर्गत रौंड़ नोहटा एवं तेन्दूखेड़ा अंतर्गत सर्रा एवं तेजगढ़ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर शिविर लगाकर स्वास्थ्य सेवायें दी जायेंगी।

हंसते हंसते रूढ़िवादिता पर प्रहार कर गया नाटक - 'पुराने चावल'

नाटक ने दिखाया- बिना स्त्री अधूरा है पुरुष का अस्तित्व

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, सतना शहर में रविवार की शाम को खेला गया नाटक पुराने चावल , जयपुरिया स्कूल के सभागार में हास्य के साथ व्यंग करता हुआ नाटक पुरुषवादी रूढ़ियों पर प्रहार कर ये बताता है कि बिना स्त्री के पुरुष का अस्तित्व नहीं है , नाटक का मुख्य किरदार लाला छदामी तीन पत्नियों के न रहने पर चौथी पत्नी से शादी करता है जो कि उम्र में छोटी व आधुनिक महिला है , लाला छदामी पत्नी तो नई एवं कम उम्र की ले आता है किंतु समय के हुए परिवर्तन को अपने भीतर नहीं ला पाता और चौथी पत्नी पर भी वही रौब वही खोखला पुरुषत्व आरोपित करता है पर आधुनिक नारी कहां ये सब सहती वो प्रतिकार करती जिसमें कई हास्यास्पद स्थितियां बनती हैं और अंतत: लाला छदामी को समझ आता है कि नारी के सम्मान और सहयोग के बिना कोई पुरुष बड़ा नहीं बन सकता। दया प्रकाश सिन्हा जी के द्वारा लिखित इस नाटक को आकार वेलफेयर सोसायटी ने प्रस्तुत किया जिसका निर्देशन युवा कलाकार आकार कुशवाहा % अंकित % किया , सहनिर्देशक हर्ष वर्धन प्रताप सिंह रहे , नाटक में मुख्य कलाकार अमितेश सेन , अक्षय वलेजा, अनामिका सिंह , रूपाली कृष्णानी, शिवम चौधरी, राहुल चौरसिया, हर्ष वर्धन , आकार कुशवाहा थे पार्श्व कलाकार देवेंद्र वर्मा , अमन वर्मा , रिया सेनानी , सागर सेन , प्रकाश त्रिपाठी रहे , इस मंचन की प्रबंधक संस्था सचिव अनामिका सिंह जी थी विशेष मार्गदर्शन अमित कुमार शुक्ल, शुभम , मयंक अग्निहोत्री जी का था , दर्शक दीर्घा में शहर के वरिष्ठ साहित्यकार , पत्रकार , रंगकर्मी , प्रोफेसर , व्यवसाई , समाजसेवी , कलाकार एवं अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे जिनमे मनमोहन माहेश्वरी , पुष्पराज सिंह गुत्रा वंदना अवस्थी , प्रहलाद अग्रवाल, अमित सोनी , समर सिंह , राजधर मिश्र , वीरेंद्र गोस्वामी , पुष्पराज सिंह आदि शामिल हैं।

राष्ट्रवीर दुर्गादास जी राठौड़ की 386 वीं जन्मजयंती पर हुआ भव्य कार्यक्रम का आयोजन

केबिनेट मंत्री नागर सिंह चौहान सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, समाजजन रहे मौजूद

रिज़वान शेख । सिटी चीफ जोबट, नगर में क्षत्रिय राठौड़ समाज ने राष्ट्वीर शिरोमणी दुर्गादास राठौड़ की 386 वीं जन्म जयंती बड़े ही धूमधाम से मनाई गई। आज 13 अगस्त मंगलवार को गांधी चौक राठौर मांगलिक भवन से नगर के प्रमुख मार्गो से हाथों में तिरंगा लेकर, राष्ट्रीयगीत, बैंड बाजों, डोल के साथ भव्य चल समारोह निकाला गया , राठौर समाज के युवा गजेंद्र राठौर ने बताया कि आज वीर शिरोमणि दुर्गादास राठौर की 386 वी जयंती पर बड़ी संख्या में समाजजन एकत्रित हुऐ , आज विभिन्न सामाजिक कार्यक्रम के तहत राठौर समाज व जनप्रतिनिधि ने चित्र पर फूल माला अर्पित किया गया , जोबट समाज के अध्यक्ष अशोक टवली ने कहा कि दुर्गादास राठौर सहनशील पराक्रमी योद्धा थे , आज मारवाड़ जोधपुर की जो स्थिति है दुर्गादास राठौर नहीं होते तो शायद यह स्थिति नहीं होती , देश व धर्म के लिए सर्वस्व बलिदान करने वालों को ही समाज मान सम्मान देते हुए श्रद्धा से याद करता है। ऐसे ही वीर राठौड़ दुर्गादास हुए हैं। जिन्होंने मारवाड़ राज्य की रक्षा के लिए संपूर्ण जीवन लगा दिया उनके इसी त्याग व समर्पण के लिए उन्हें संपूर्ण भारत में राष्ट्र वीर के रूप में याद किया जाता है , चल समारोह में महिलाएं , बालिकाएं पिले रंग की साड़ी और पुरुष सफेद रंग के वस्त्र पहने चल रहे थे। चल समारोह का जगह-जगह कई सामाजिक राजनीतिक संगठनों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया , सभी समाज जनों ने आज अपने प्रतिष्ठान बंद रखे , कार्यक्रम में अनुसूचित जनजाति कैबिनेट मंत्री नागर सिंह जी चौहान , पूर्व विधायक माधौव सिंह डावर , पूर्व जिला अध्यक्ष किशोर शाह , विशाल रावत , जोबट एसडीओपी नीरज नामदेव , नगर परिषद सीएमओ संतोष राठौड़ , सहित समाज के नागरिक व प्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन चंद्रशेखर राठौर एवं श्रीमती सरस्वती राठौर एवं बसंत राठौर ने किया तथा आभार गजेंद्र राठौर ने किया।

मुंबई में म्यांमार के वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन

श्री मोहनराव पिंपले को माननीय नियुक्त किया गया

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, मुंबई में म्यांमार संघ गणराज्य के वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन म्यांमार के राजदूत एच.ई. द्वारा किया गया। डॉ. मो क्याव आंग। श्री मोहनराव पिंपले को माननीय नियुक्त किया गया है। मुंबई में म्यांमार गणराज्य के लिए वाणिज्य दूत। कुशवाह चैंबर्स, मरोल में वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन किया गया। माननीय राजदूत, महावाणिज्य दूत, व्यापार और व्यवसाय समुदाय के सदस्य और कई फिल्मी हस्तियां माननीय उद्घाटन समारोह के समारोह में शामिल हुईं। मुंबई में वाणिज्य दूतावास, माननीय के रूप में श्री मोहनराव की नियुक्ति। इंडो म्यांमार फ्रेंडशिप एसोसिएशन के तहत द्विपक्षीय संबंधों, संस्कृति, व्यापार, व्यवसाय और पर्यटन को बढ़ावा देना। बैठक का संचालन सुश्री पूनम नारायण ने किया। समारोह में श्री दीपक पाराशर, श्री मुस्ताक नाडियाडवाला, श्री सुनील जोडे, श्री संजय श्रवण भी उपस्थित थे। सुश्री दीपाली सईद और व्यापार, व्यापार और फिल्म उद्योग से अन्य सदस्य। श्री कृष्ण पिंपल माननीय. दक्षिण भारत के लिए तंजानिया के वाणिज्य दूत, एच.ई. इंडोनेशिया के महावाणिज्य दूत एड्डी वार्डोयो, एच.ई. म्यांमार के राजदूत डॉ. मो क्याव आंग, माननीय श्री मोहनराव पिंपल। मुंबई में म्यांमार के वाणिज्य दूत और माननीय श्री रंगनथन। माननीय की नियुक्ति और उद्घाटन के अवसर पर चेन्नई में म्यांमार के वाणिज्य दूतावास। मुंबई में म्यांमार गणराज्य का वाणिज्य दूतावास।

प्रधानमंत्री आवास योजन, नासिर अहमद को मिली अपने घर की चाबी

कुलदीप गुप्ता । सिटी चीफ शिवपुरी, शिवपुरी शहर के वार्ड क्रमांक 1 नौहरीखुर्द निवासी नासिर अहमद अभी तक किराए के मकान में परिवार के साथ जीवन यापन करता थे। अब उनका खुद का घर है। उन्हें अपने घर की चाबी मिल गई है। नासिर अहमद ने बताया कि किराए के मकान में रहने से हर माह उन्हें किराया देना पड़ता था, इसके साथ ही मकान मालिक द्वारा यदि मकान खाली करने का बोला तो उन्हें वहां से खाली कर किसी अन्य स्थान पर किराए के लिए मकान देखना पड़ता था। नासिर भी सोचते थे कि मेरा भी पक्का मकान हो, परन्तु कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण मकान पक्का बना लेना असम्भव हो रहा था। ऐसे में नासिर के पक्के मकान के सपने को प्रधानमंत्री आवास योजना ने पूरा किया। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान स्वीकृत होकर, पक्का मकान भी बन गया है। अब वह पूरे परिवार के साथ अपने पक्के मकान में रह सकेंगे। पक्का मकान बनने पर नासिर प्रदेश सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दे रहे हैं।

डॉक्टर बनकर लोगों का इलाज कर रही थी जिला अस्पताल की नर्स

प्रशासन ने मेडिकल किया सील

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ
शाजापुर, जिला अस्पताल में प्रसव के नाम पर आशा कार्यकर्ता के द्वारा लिए गए रुपए के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक निजी परामर्श केंद्र और मेडिकल को सील कर दिया है। बता दें कि ग्राम मूलीखेड़ा निवासी ममताबाई को प्रसव के लिए शाजापुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां पर जटिलता का हवाला देकर परिजनों से आशा कार्यकर्ता के द्वारा 15000 रुपये की राशि डॉक्टर को देने के नाम पर ली गई थी। मामले में अखिल भारतीय बलाई महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम मालवीय के साथ परिजनों ने शिकायत कलेक्टर से की थी जिसके बाद जांच की गई। डिप्टी कलेक्टर राजकुमार हलदर ने बताया कि गोविंद ने जांच के दौरान आशा कार्यकर्ता को रुपये देने की बात कही थी, जिस पर आशा कार्यकर्ता के कथन लिए गए। कार्यकर्ता ने अपने कथन में बताया कि उसने ली गई राशि स्टॉफ नर्स लक्ष्मी पंवार को दी थी जो कि शाजापुर जिला अस्पताल की स्टॉफ नर्स है और बस स्टैंड स्थित हरिओम मेडिकल स्टोर पर स्वयं को बतौर निजी डॉक्टर बताकर लोगों का इलाज कर रही है। मामले में प्रशासन के द्वारा मंगलवार को हरिओम मेडिकल और उसके समीप बने परामर्श केंद्र पहुंचकर जांच की गई। जांच में अवैध ढंग से मेडिकल के पीछे परामर्श केंद्र संचालित किया जाना पाया गया। इस पर प्रशासन ने परामर्श केंद्र और मेडिकल को सील करने की कार्रवाई की।

महिला समूह की सदस्यों ने हाथ में थामा तिरंगा

रैली निकाल कर लगाए भारत मां की जय के नारे

कुलदीप गुप्ता । सिटी चीफ
शिवपुरी में मध्य प्रदेश ग्रामीण आजीविका समूह की महिलाओं ने मंगलवार को हाथों में तिरंगा लेकर भारत मां की जय के नारे लगाए। तिरंगा अभियान के अंतर्गत चलाए जा रहे कैम्पेन के दौरान मध्य प्रदेश ग्रामीण आजीवीका समूह की महिलाओं का जिला ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम 26 नंबर कोठी फतेहपुर रोड शिवपुरी पर आयोजित किया गया। इस शिविर में ग्रामीण आजीविका समूह की महिलाएं बड़ी संख्या में शामिल हुई और उन्होंने यहां पर तिरंगा हाथ में लेकर भारत मां की जय के नारे लगाए। इस मौके पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें चेयर रेस खेल खेला गया इस प्रतियोगिता में भाव खेड़ी समूह की सदस्य मिथिलेश जाटव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। देशभक्ति गीतों के साथ रैली आयोजित की गई शिवपुरी विकासखंड कार्यालय से रैली निकाली जिसमें ब्लॉक मैनेजर देवेंद्र शर्मा, एबीएम समर्थ भारद्वाज, जितेंद्र सिंह, इसरारउद्दीन सहित ग्रामीण आजीविका समूह कार्यालय के सदस्यगण मौजूद रहे।

विधायक कार्यालय पर सांसद श्री

सोलंकी का किया गया स्वागत

सांसद श्री सोलंकी ने विधायक कार्यालय पर लगाया तिरंगा

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ
शाजापुर, क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद श्री महेंद्र सिंह सोलंकी सोमवार को विधायक अरुण भीमावत के कार्यालय पर पहुंचे जहां पर कार्यकर्ताओं ने श्री सोलंकी का गर्मजोशी से स्वागत किया। श्री सोलंकी ने इस दौरान घर-घर तिरंगा अभियान को आगे बढ़ते हुए विधायक कार्यालय पर तिरंगा लगाया। श्री सोलंकी ने क्षेत्र के नागरिकों को स्वतंत्रता पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 300 वर्षों की गुलामी के बाद 15 अगस्त सन 1947 को देश ने आजादी की सांस ली थी और यह पर्व हमारे लिए अपने प्राणों से भी बढ़कर है।और तिरंगे की आन बान और शान के लिए प्रत्येक देशवासी अपना सब कुछ कुर्बान करने को लिए तैयार है। श्री सोलंकी ने एक सवाल के जवाब में कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रहे हैं अत्याचार को लेकर केंद्र की सरकार चिंतित है और देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं और सख्त कदम उठा रहे है। इस दौरान क्षेत्र के विधायक श्री अरुण भीमावद ने श्री सोलंकी को पुष्प हार एवं साफा बांधकर स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान प्रमुख रूप से जिला महामंत्री दिनेश शर्मा,नगर पालिका अध्यक्ष प्रेम जैन,डॉ रवि पाण्डेय,किरण सिंह ठाकुर, गोपाल सिंह राजपूत, मण्डल अध्यक्ष राधेश्याम गुर्जर, हरिओम गोठी,आशीष नगर, गोविंद नायक, उमेश टेलर,,दिलीप त्रिवेदी, महेश परमार सी पी चावड़ा सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जिला खेल परिसर में प्रथम बालिका इंटर

स्कूल फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

कन्या शिक्षा परिसर की टीम रही विजेता

कुलदीप गुप्ता । सिटी चीफ
शिवपुरी, खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा 6 अगस्त को प्रथम बालिका इंटर स्कूल फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन प्रारंभ हुआ। जिसमें ज़िले के 10 स्कूल की बालिका खिलाड़ियों ने भाग लिया। श्रीमंत माधवराव सिंधिया जिला खेल परिसर में विभिन्न खेलों के कई खिलाड़ी प्रतिदिन प्रैक्टिस करने आते हैं। इनमे सभी खिलाड़ियों द्वारा लगातार प्रैक्टिस की जा रही है। खेल परिसर में दिनांक 6 अगस्त से जिले के स्कूलों से इनोवेटिव स्कूल, हैप्पी डेज़ स्कूल, गीता पब्लिक स्कूल, रंगड रेनबो स्कूल, शासकीय कन्या शाला परिसर ठकुरपूरा, शासकीय कन्या विद्यालय कोर्ट रोड, शासकीय कन्या विद्यालय पुरानी शिवपुरी, शासकीय न.1 स्कूल पिछोर और खेल विभाग की टीम रही। यह प्रतियोगिता लीग पद्धति पर आधारित थी। जिसमें 150 बालिका खिलाड़ियों ने भाग लिया। जिला खेल अधिकारी डॉ के के खरे ने बताया कि ज़िले में पहली बार बालिका खिलाड़ियों ने फुटबॉल खेल की प्रतियोगिता की शुरुआत की। इस प्रतियोगिता के फाइनल मुक़ाबले में कन्या शाला परिसर की बालिकाओं ने हैप्पी डेज़ स्कूल की बालिकाओं के विरुद्ध इंटर स्कूल फुटबॉल प्रतियोगिता में 3-0 से जीत हासिल की। पूरी टीम को इस अवसर पर बधाई दी गई।

हर घर तिरंगा अभियान-
जिला खेल परिसर में हर घर तिरंगा अभियान के तहत कार्यक्रम हुआ। सभी ने हाथ में तिरंगा लेकर देशभक्ति नारों से तिरंगा लहराया और देश के वीर शहीदों को नमन किया। जिला पंचायत सीईओ उमराव मरावी इस तिरंगा यात्रा कार्यक्रम में शामिल हुए। साथ ही विभिन्न खेलों के खिलाड़ी, कोच और बालक बालिकाएं खिलाड़ी और उनके परिजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्वतंत्रता दिवस पर भोपाल में करेंगे ध्वजारोहण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस समारोह में भोपाल में ध्वजारोहण करेंगे। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी ध्वजारोहण संबंधी आदेश अनुसार विभिन्न जिलों में उप-मुख्यमंत्री एवं अन्य मंत्रीगण 15 अगस्त 2024 को विभिन्न जिला मुख्यालय पर आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण कर मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन करेंगे। उप-मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा जबलपुर में , उप - मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल सागर में , मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय इंदौर , मंत्री श्री प्रह्लाद सिंह पटेल रीवा , मंत्री श्री करण सिंह वर्मा सिवनी, श्री मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह कटनी , मंत्री श्रीमती संपतिया उईके सिंगरौली , मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ग्वालियर , मंत्री श्री रामनिवास रावत दमोह , मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना दतिया , मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया मंदसौर , मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत गुना , मंत्री श्री विश्वास सारंग हरदा , मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाहा शाजापुर , मंत्री श्री नागर सिंह चौहान आगर , मंत्री श्री प्रद्युमन सिंह तोमर शिवपुरी , मंत्री श्री राकेश शुक्ला अशोकनगर , मंत्री श्री चैतन्य काश्यप राजगढ़ ,मंत्री श्री इंदरसिंह परमार बड़वानी में ध्वजारोहण कर मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन करेंगे। राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर सीहोर , राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी खंडवा , राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल सीधी , राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल उज्जैन , राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल विदिशा , राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री नारायण सिंह पवार रायसेन में ध्वजारोहण कर मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन करेंगे। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश अनुसार राज्य मंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल बैतूल , राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी डिंडोरी , राज्य मंत्री श्री दिलीप अहिरवार अनूपपुर और राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह मैहर में ध्वजारोहण कर मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन करेंगी। शेष जिलों देवास , शहडोल , रतलाम, झाबुआ, सतना, धार ,भिंड, छिंदवाड़ा, नर्मदापुरम, बालाघाट, अलीराजपुर, बुरहानपुर , मंडला , छतरपुर , नीमच , नरसिंहपुर, खरगोन, निवाड़ी, उमरिया, पांढुर्णा, श्योपुर , पन्ना, टीकमगढ़ और मऊगंज में कलेक्टर ध्वजारोहण कर संदेश का वाचन करेंगे।

नर्सिंग होम एक्ट के तहत

कार्रवाई होगीः सीएमएचओ

करैरा में स्थित न्यू सागर नर्सिंग होम को किया शील्ड

कुलदीप गुप्ता । सिटी चीफ
शिवपुरी, शिवपुरी जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ पवन जैन ने करैरा स्थित न्यू सागर मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल पर छापा मारकर अस्पताल को शील्ड कर दिया है। वहीं डॉ पवन जैन ने बताया कि अस्पताल संचालक से स्वास्थ्य विभाग का कोई भी रजिस्ट्रेशन पाया गया और न ही संचालक के पास कोई अनुमति मिली अस्पताल का संचालन पूरी तरह अवैध रूप से किया जा रहा था और इस अस्पताल में कोई भी योग्य चिकित्सक नहीं पाया गया तथा बिना योग्य चिकित्सक के ह्रज्ञ संचालित की जा रही थी। ओटी संचालन में उपयोग आने वाले सभी उपकरण एवं मशीन यहां मौजूद पाई गई। उक्त अस्पताल को हमारी टीम द्वारा शील्ड कर नर्सिंग होम एक्ट के तहत अपराधिक प्रकरण भी पंजीबद्ध कराया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग की इस कार्यवाही के दौरान डॉक्टर संजय ऋषीश्वर एवं मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी करैरा प्रदीप शर्मा मौजूद रहे।

ज्ञान ही 21वीं सदी की अर्थव्यवस्था का है आधार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि संपूर्ण विश्व तेजी से ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था में परिवर्तित हो रहा है। पेट्रोल, औद्योगिक क्रांति की धुरी रहा है, परंतु नॉलेज अर्थात ज्ञान ही 21वीं सदी की अर्थव्यवस्था का आधार है। ऐतिहासिक रूप से भारतीय ज्ञान परंपरा बहुत समृद्ध रही है। इसी का परिणाम रहा कि आक्रांताओं ने हमेशा हमारे ज्ञान के केन्द्रों को निशाना बनाया और उन्हें नष्ट करने की कोशिश की। भारत अपनी ज्ञान परंपरा का अनुसरण करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्व गुरु बनने के मार्ग पर अग्रसर है। विज्ञान शिक्षा के प्रसार के साथ-साथ शोध, अनुसंधान और नवाचार को भी देश में बहुत महत्व दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अकादमिक क्षेत्र में मध्य प्रदेश में आईआईटी, आईआईएम, आईसर, ट्रिपल आईटी, एनआईटी और आईआईएफएम जैसे राष्ट्रीय महत्व के संस्थान विद्यमान है। भोपाल में स्थापित हो रहा राष्ट्रीय फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी का परिसर राष्ट्रीय महत्व का है। भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान की भोपाल में उपस्थिति प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। राज्य सरकार उच्च शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में अपने स्तर पर प्रयास करने के साथ-साथ निजी भागीदारी को भी प्रोत्साहित कर रही है। प्रदेश में आरंभ हुए पीएम कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस निश्चित ही उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आइसर) भोपाल के 11वें दीक्षांत समारोह के शुभारंभ अवसर पर यह विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत के पास टेलेंट, टेक्नालॉजी, प्रबंधन और नेतृत्व का अनूठा संगम है। भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान जैसे केंद्रों के माध्यम से देश युवा शक्ति को श्रेष्ठतम शिक्षा उपलब्ध करा रहा है। इन संस्थानों से मिलने वाली डिग्री युवाओं की प्रतिभाओं का बड़ा सम्मान है। इससे समाज में उनकी विशेष पहचान स्थापित होती है। युवाओं का यह कर्तव्य है कि प्राप्त शिक्षा और प्रशिक्षण का अधिक से अधिक उपयोग देश और समाज के हित में हो। मध्यप्रदेश ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में देश के लक्ष्य के अनुरूप कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है। प्रदेश के युवाओं को इंडस्ट्री रेडी बनाने के लिए 6 ग्लोबल स्किल पार्क स्थापित किए जा रहे हैं। आईआईटी गांधी नगर के साथ मिलकर विज्ञान के लोकव्यापीकरण के लिए नवीन कार्यक्रम आरंभ किया गया है। आईआईटी इंदौर के माध्यम से उज्जैन में भी सेटेलाइट टाऊन की स्थापना की गई है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर प्रगति कर रहा है और यह विश्वास है कि हम विश्व के विकसित देश के रूप में अपना स्थान स्थापित करेंगे। केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती सीतारमण ने भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान के विद्यार्थियों को दीक्षांत समारोह में पदक और उपाधियां प्राप्त करने के लिए बधाई और शुभकामनाएँ दी। उन्होंने कहा कि भारत में जिज्ञासा, शोध और सीखने की संस्कृति और प्रवृति के परिणाम स्वरूप ही देश के विभिन्न राज्यों के विद्यार्थी इस प्रतिष्ठित संस्थान में अध्ययनरत हैं। संस्थान ने विज्ञान शिक्षा में देश ही नहीं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान स्थापित की है। यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि विद्यार्थियों के अध्ययन, शोध और अनुसंधान का अधिकतम लाभ देश के लोगों के कल्याण में हो केंद्रीय मंत्री श्रीमती सीतारमण ने फॉसिल फ्यूल के उपयोग को घटाकर नवकरणीय ऊर्जा के उत्पादन और उसके भांडाण के लिए शोध को प्रोत्साहन देने की आवश्यकता बताते हुए कहा कि भारत सरकार इस दिशा में विशेष प्रयास कर रही है।

वायु सेना प्रमुख का एलान

अब हर दूसरे साल आयोजित होगी तरंग शक्ति एयर एक्सरसाइज

नई दिल्ली। तमिलनाडु के सुलूर में चल रही वायुसेना की तरंग शक्ति एयर एक्सरसाइज के पहले चरण के आखिरी दिन वायुसेना प्रमुख से अहम ऐलान किया। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने मंगलवार को कहा कि तरंग शक्ति के सफल समापन के बाद भारतीय वायुसेना हर साल बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास तरंग शक्ति की मेजबानी करेगी। उन्होंने कहा कि 29 अगस्त से राजस्थान के जोधपुर में होने वाले अभ्यास के दूसरे चरण के बाद, वायुसेना एक्सरसाइज की डीब्रीफिंग से इनपुट एकत्र करेगी। जिसके बाद यह तय किया जाएगा कि हवाई अभ्यास के लिए कितने देशों को आमंत्रित किया जाए।

इस अभ्यास में फ्रांस, जर्मनी और स्पेन की वायुसेना के प्रमुख मौजूद थे। जर्मनी वायुसेना चीफ जनरल स्टीफन मिले, फ्रांस वायुसेना के चीफ लेफ्टिनेंट जनरल इंगो गेरहार्ट्ज और स्पेन की वायुसेना के चीफ एयर जनरल फ्रांसिस्को ब्राको कार्बो के साथ यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए वायुसेना प्रमुख ने कहा, हम निश्चित रूप से हर दूसरे वर्ष इस अभ्यास को आयोजित करने का मामला उठाएंगे। हम बाद में फैसला करेंगे कि हम कितने देशों को इसमें शामिल कर सकते हैं। भारतीय वायुसेना सेना प्रमुख ने कहा कि निश्चित रूप से यह आखिरी अभ्यास नहीं होगा।

मंगलवार को वायुसेना प्रमुख ने स्पेनिश चीफ जनरल फ्रांसिस्को ब्राको कार्बो के साथ रूसी मूल के सुखोई लड़ाकू विमान में उड़ान भरी। जबकि जनरल स्टीफन मिल और लेफ्टिनेंट जनरल इंगो गेरहार्ट्ज ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) दके बनाये हल्के लड़ाकू विमान एलसीए तेजस में उड़ान भरी।

भारतीय वायुसेना ने देश भर की कुल 51 वायुसेनाओं को आमंत्रित किया है, जिनमें से 10 लड़ाकू विमानों के साथ हैं। अभ्यास के पहले चरण में जर्मनी, फ्रांस, स्पेन और यूनाइटेड किंगडम की वायु सेनाओं ने अपने-अपने लड़ाकू विमानों के साथ भाग लिया। जर्मनी, स्पेन और यूनाइटेड किंगडम अपने यूरोफाइटर टाइफून लेकर आए हैं, जबकि फ्रांस अपने राफेल जेट लेकर आया है। ये वायु सेनाएं ऑस्ट्रेलिया में अभ्यास पिच ब्लैक 2024 में भाग लेने के बाद अभ्यास में शामिल हुई हैं। अपने होम बेस पर लौटते समय, उन्होंने इस अभ्यास में भाग लिया।

अभ्यास के अंतिम दिन, भारतीय वायु सेना के हल्के हेलीकॉप्टर लड़ाकू प्रचंड, हल्के उपयोगिता हेलीकॉप्टर, ट्रेनर एचटीटी-40, सारंग हेलीकॉप्टर टीम और एलसीए ने अपने हवाई युद्धाभ्यास से सुलूर वायु सेना स्टेशन पर मौजूद दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

पहली बार, जर्मनी ने भारतीय धरती पर किसी हवाई अभ्यास में भाग लिया और उसके यूरोफाइटर टाइफून ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

सेफ्टी नहीं तो ड्यूटी नहीं : कोलकाता में डॉक्टर से रेप और हत्या की घटना से गुस्साए डॉक्टरों की देशभर में हड़ताल

किसी की सर्जरी टली तो कोई ओपीडी से लौटा

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में लेडी डॉक्टर की रेप के बाद नृशंस हत्या के बाद देशभर के डॉक्टर हड़ताल पर चले गए हैं। सिर्फ दिल्ली ही नहीं बल्कि दर्जनभर से ज्यादा राज्यों के रेजिडेंट डॉक्टर्स इंसाफ के लिए मांगों पर अड़े हैं और इसी वजह से अस्पतालों में ओपीडी सेवाओं से लेकर, ऑपरेशन थिएटर और इलेक्टिव सर्विसेज ठप हो गई हैं। सुरक्षा और न्याय को लेकर डॉक्टरों की मांग जायज है लेकिन इसका खामियाजा मरीजों को भोगना पड़ रहा है। इस स्ट्राइक के चलते दिल्ली के 10 से ज्यादा बड़े अस्पतालों में लगभग 50 फीसदी से ज्यादा मरीजों को बिना इलाज के लौटना पड़ा है। दरअसल, कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर से रेप और हत्या के बाद पूरे देश में डॉक्टर हड़ताल कर रहे हैं। कई जगहों पर अस्पतालों में केवल इमर्जेंसी सेवाएं ही उपलब्ध हैं, वहीं ओपीडी पूरी तरह ठप हो गई है। फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर असोसिएशन (एफओआरडीए) ने

सोमवार को देशव्यापी हड़ताल का आान किया था जिसका असर मंगलवार को दिखा। एसोसिएशन ने स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को पत्र भी लिखा था और अब तक के इतिहास में किसी रेजिडेंट के साथ सबसे बर्बर हादसा बताया था। एफओआरडीए की मांग है कि ऐसे सभी अधिकारियों और व्यक्तियों को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए जो महिला डॉक्टर की सुरक्षा के लिए उत्तरदायी थे। इसके अलावा यह भी मांग की गई है कि प्रदर्शन करने वाले डॉक्टरों पर किसी तरह की कार्रवाई ना की जाए। वहीं उनकी सुरक्षा की भी व्यवस्था की जाए।

स्वास्थ्य मंत्री से स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की सुरक्षा का आश्वासन मांगा

डॉक्टरों के संगठन ने स्वास्थ्य मंत्री से स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की सुरक्षा का आश्वासन मांगा है। कोलकाता के ज्यादातर अस्पतालों के डॉक्टर हड़ताल पर हैं। ऐसे में मरीजों की भी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। वहीं लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज में भी सुबह डॉक्टरों ने मार्च निकाला। वहीं ओपीडी सेवाएं ठप हो गईं। मरीज और उनके रिश्तेदार ओपीडी के आसपास भटकते रहे लेकिन वहां ताला लटकता रहा। पटना मेडिकल कॉलेज की तस्वीर सामने आई जहां बड़ी संख्या में मरीज ओपीडी के बाहर ही बैठे रहे। इलाज के लिए डॉक्टर उपलब्ध नहीं थे।

मुंबई के कई बड़े अस्पतालों के डॉक्टरों ने भी विरोध में हिस्सा लिया। जेजे अस्पताल, सियोन, नायर और किंग एडवर्ड मेमोरियल अस्पताल में भी ओपिडी सेवाएं बंद रहीं। इसके अलावा राजधानी दिल्ली के एम्स में 80 फीसदी डॉक्टर हड़ताल पर रहे। एम्स प्रशासन ने डॉक्टरों से काम पर लौटने को कहा है। इंडियन मेडिकल असोसिएशन ने भी जेपी नड्डा को पत्र लिखकर कहा है कि अस्पतालों में डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

आईएमए ने कहा कि 25 राज्यों में डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए कानून हैं। लेकिन केंद्र ने इस दिशा में काम नहीं किया है। बता दें कि कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में महिला डॉक्टर का खून से लथपथ शव पाया गया था। बाद में पता चला कि रेप के बाद उसकी हत्या कर दी गई थी। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

अमेरिका ने कहा- हमें तैयार रहने की जरूरत

इजराइल पर इस हफ्ते हमला कर सकता है ईरान

वॉशिंगटन। अमेरिका का कहना है कि ईरान संभवत: इस हफ्ते इजराइल पर हमला कर सकता है। ऐसे में हमें तैयार रहना होगा। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन किर्बी ने यह बात कही है। राष्ट्रपति जो बाइडन ने हाल ही में ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली के नेताओं से पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और संघर्ष के पूरे क्षेत्र में फैलने के संभावित खतरे को लेकर चर्चा की है। उसके बाद ही किर्बी का बयान सामने आया है।

अमेरिका ने पश्चिमी देशों के साथ मिलकर इजराइल की रक्षा की बात दोहराई

किर्बी ने कहा कि हमें हमलों के लिए तैयार रहना होगा। किर्बी ने कहा कि राष्ट्रपति बाइडन ने अन्य यूरोपीय नेताओं के साथ बातचीत में इजराइल की रक्षा करने की बात दोहराई।

हालांकि अमेरिका ने ये भी कहा है कि वह हिंसा में बढ़ोतरी नहीं चाहते हैं और वह चाहेंगे कि ईरान और उसके सहयोगी कोई हमला न करें। साथ ही गाजा में युद्ध विराम और बंधकों की रिहाई के प्रयासों को भी अपना पूर्ण समर्थन दिया।

इस्माइल हानिया की मौत से बढ़ा तनाव

वहीं ईरान ने तेहरान में हमास नेता को निशाना बनाने के लिए बदला लेने का एलान कर दिया। वहीं हाल ही में इजराइल ने हिजबुल्ला के एक शीर्ष कमांडर को भी बेरूत में ढेर कर दिया था। ऐसे में हिजबुल्ला भी इजराइल पर हमले की फिराक में हैं। माना जा रहा है कि हिजबुल्ला और ईरान एक साथ इजराइल पर हमला कर सकते हैं। यही वजह है कि पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है। अमेरिका ने इजराइल की मदद के लिए पश्चिम एशिया में अपने युद्धपोत और लड़ाकू विमानों का बेड़ा भी भेज दिया है।

कई रॉकेटों को नष्ट करने में इजराइली हवाई सुरक्षा प्रणाली भी नाकाम

वहीं उत्तरी इजराइल में हिजबुल्लाह ने बड़े हमले में 30 से अधिक प्रक्षेपास्त्र दागे हैं। कई रॉकेटों को नष्ट करने में इजराइली हवाई सुरक्षा प्रणाली भी नाकाम रही। हालांकि, अभी तक इस रॉकेट हमले में जानमाल के नुकसान होने की कोई खबर नहीं है। लेबनान स्थित हिजबुल्ला ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए एक सैन्य ठिकाने को निशाना बनाने का दावा भी किया है।

सीमित परिचालन के कारण प्रक्रिया में अधिक समय लगने के जताए आसार

ढाका में भारतीय वीजा केंद्र ने फिर से शुरू किया काम

ढाका। बांग्लादेश में भारतीय वीजा आवेदन केंद्र ने अपना परिचालन फिर से शुरू कर दिया है। हालांकि अभी इस केंद्र पर सीमित ही सुविधाएं शुरू की गई हैं। एक प्रेस विज्ञप्ति में, भारतीय वीजा आवेदन केंद्र (आईवीएसी) ने अपने ढाका केंद्र में सीमित परिचालन फिर से शुरू करने की घोषणा की।

बांग्लादेश में कुछ दिन पहले देश में अंतरिम सरकार का गठन होने बाद कार्यवाहक नेता के तौर पर मोहम्मद यूनुस ने सत्ता संभाली है। फिलहाल अभी देश में भारतीय वीजा आवेदन केंद्र (जेएफपी) ढाका ने सीमित परिचालन फिर से शुरू कर दिया है। इस कड़ी में पासपोर्ट के संग्रह के बारे में व्यक्तिगत आवेदकों को संदेश भेजे जाएंगे। वहीं भारतीय वीजा आवेदन केंद्र ने आवेदकों से अनुरोध किया कि वे अपने पासपोर्ट लेने के लिए एक टेक्स्ट संदेश प्राप्त करने के बाद ही केंद्र पर आएं। इस दौरान केंद्र ने सभी से अनुरोध किया है कि सीमित परिचालन के कारण, प्रक्रिया में अधिक समय लग सकता है।

राष्ट्रीय आपातकालीन हॉटलाइन सेवा भी बहाल

एक स्थानीय अखबार के अनुसार, मंगलवार से राष्ट्रीय आपातकालीन हॉटलाइन सेवा बहाल कर दी गई है। सोमवार से पुलिस अधिकारी तमाम पुलिस थानों पर लौट आए और यातायात पुलिस कर्मी भी काम पर लौटे हैं। जबकि प्राथमिक एवं जन शिक्षा मंत्रालय ने भी प्राथमिक विद्यालयों को एक महीने के बंद रहने के बाद कक्षाएं फिर से शुरू करने का निर्देश दिया है।

देश में फैली हिंसा में कुल 560 लोगों की मौत

5 अगस्त को शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद से देश भर में भड़की हिंसा की घटनाओं में बांग्लादेश में 230 से अधिक लोग मारे गए, जिससे जुलाई के मध्य में आरक्षण विरोधी प्रदर्शनों के शुरू होने के बाद से मरने वालों की संख्या 560 हो गई। इसके बाद एक अंतरिम सरकार का गठन किया गया और इसके मुख्य सलाहकार, 84 वर्षीय नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस ने पिछले सप्ताह अपने 16 सदस्यीय सलाहकार परिषद के विभागों की घोषणा की।

अवैध घुसपैठ पर नजर रखने के लिए भारतीय तटरक्षक बल सतर्क

समुद्र की निगरानी के लिए भारत ने तैनात किए जहाज

नई दिल्ली। पड़ोसी देश में फैली अशांति के बीच भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने बांग्लादेश से लगती समुद्री सीमा पर समुद्री जहाजों, होवरक्राफ्ट और हवाई जहाजों को तैनात कर दिया है।

बांग्लादेश में उत्पन्न हुए राजनीतिक संकट के बीच भारत में अवैध रूप से लोगों के घुसने की खबर आ रही है। अब भारतीय तटरक्षक बल द्वारा भी इस पर निगरानी रखी जाएगी। आपको बता दें कि पांच अगस्त को शेख हसीना ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद आरक्षण के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों में आक्रोश फैल गया था। इस दौरान हिंसक घटनाओं में सैकड़ों लोग मारे गए। पड़ोसी देश में फैली अशांति के बीच आईसीजी ने अंतराष्ट्रीय समुद्री सीमा पर सुरक्षा को और भी अधिक मजबूत कर दिया है। किसी भी तरह की अवैध घुसपैठ को रोकने के लिए भारतीय तटरक्षक बल के जवान तैयार हैं।

सुंदरबन खाड़ी क्षेत्र में तैनात किए गए तीन जहाज

इस बीच, आईसीजी के डिप्टी डायरेक्टर जनरल अनुपम रॉय ने कहा कि संभावित खतरों से निपटने के लिए सुरक्षा उपायों को मजबूत किया गया है। अनुपम रॉय ने कहा, ह्यबांग्लादेश में अशांति के बीच आईसीजी ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा में गश्त और निगरानी को बढ़ाने पर जोर दिया है।

किसी भी तरह की घुसपैठ को रोकने के लिए सुरक्षा को अधिक मजबूत किया गया है। सुंदरबन खाड़ी क्षेत्र में तीन समुद्री जहाज तैनात किए गए हैं और लगातार गश्त लगाई जा रही है ह्न उन्होंने आगे बताया कि सुंदरबन खाड़ी क्षेत्र पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। इस क्षेत्र में इंटरसेप्टर नावों और जहाजों द्वारा गश्त लगाई जा रही है।

इसके अलावा हल्दिया, पारादीप और गोपालपुर क्षेत्रों पर भी भारतीय तटरक्षक बल ने कड़ी नजर बनाई हुई है।

आज राष्ट्रीय कार्यशाला में पुडुचेरी की पूर्व उपराज्यपाल और नवज्योति इंडिया फाउंडेशन की संस्थापक किरण बेदी करेंगी संबोधित

लाल किले पर जुटेंगी पंचायत प्रतिनिधि से लेकर लखपति दीदी तक

नई दिल्ली। लाल किले पर आयोजित होने वाले 78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में देशभर से 400 महिला पंचायत प्रतिनिधियों को विशेष अतिथि के रूप में बुलाया गया है।

पंचायती राज मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है। बयान में कहा गया है कि पंचायती राज संस्थाओं की लगभग 400 महिला प्रतिनिधियों को 78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशेष अतिथि के रूप में लाल किले पर आमंत्रित किया गया है। इनके अलावा लखपति दीदियों और ड्रोन दीदियों को भी इस समारोह में आमंत्रित किया गया है। ग्रामीण विकास मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार, स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने के लिए करीब 45 लखपति दीदियों और करीब 30 ड्रोन दीदियों को भी विशेष अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया है। बुधवार को ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान उन्हें सम्मानित भी करेंगे। पंचायतों की महिला प्रतिनिधियों को भी पंचायती राज मंत्री ललन सिंह सम्मानित करेंगे।

इन महिलाओं के लिए बुधवार को एक राष्ट्रीय कार्यशाला का भी आयोजन किया गया है, जिसमें पुडुचेरी की पूर्व उपराज्यपाल और नवज्योति इंडिया फाउंडेशन की संस्थापक किरण बेदी और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी संबोधित करेंगे।

कार्यशाला में महिला प्रतिनिधियों की उभरती भूमिका के साथ-साथ जमीनी स्तर पर सरपंच पति की प्रथा पर भी चर्चा की जाएगी।

बता दें कि नमो ड्रोन दीदी और लखपति दीदी योजनाएं ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण से जुड़ी मोदी सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है। नमो ड्रोन दीदी योजना के तहत महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को ड्रोन खरीदने के लिए सब्सिडी दी जाती है।

लखपति दीदी वह स्वयं सहायता समूह सदस्य है जिसकी वार्षिक आय 1 लाख रुपये या उससे अधिक है।

प्रेस इनफार्मेशन ब्यूरो (पीआईबी) के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य है। इसी कड़ी में 78वें स्वतंत्रता दिवस की थीम ह्यविकसित भारतह्न है। इस लक्ष्य को साधने के लिए देश और राज्यों के कई विभाग उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं और विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं से कई जरूरतमंद लाभांवित हो रहे हैं। गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी पूरे देश से लगभग 6000 ह्यविशेष अतिथियोंह्न को भारत सरकार ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नई दिल्ली आमंत्रित किया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569